भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-303 ● भोपाल ● गुरुवार, 5 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 11 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।

यूजर्स की पोस्ट के लिए सोशल मीडिया कंपनियां भी होंगी जिम्मेदार, सरकार सेफ हार्बर सुरक्षा खत्म करने की तैयारी में

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स (X) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की कानूनी जवाबदेही बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में बदलाव कर इन कंपनियों को मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है। ऐसा होने पर यूजर्स की ओर से पोस्ट किए गए कंटेंट, वीडियो और कमेंट के लिए सोशल मीडिया कंपनियों को भी कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकेगा। अभी तक इन प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स की सामग्री के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं माना जाता। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने इस संबंध में सोशल मीडिया नियमों में संभावित बदलावों पर चर्चा शुरू कर दी है। प्रस्ताव के तहत आईटी एक्ट की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा के दायरे को सीमित किया जा सकता है। सरकार इस सुरक्षा को सोशल मीडिया कंपनियों से हटाकर इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, टेलीकॉम और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स तक सीमित करने पर विचार कर रही है। वर्तमान व्यवस्था में आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को सेफ हार्बर का संरक्षण मिलता है। इसका मतलब है कि किसी यूजर की ओर से पोस्ट की गई सामग्री के लिए प्लेटफॉर्म को सामान्यतः जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता, बशर्ते वह कानून के तहत निर्धारित शर्तों और उचित सावधानियों का पालन करे। इसी व्यवस्था के चलते मेटा, गूगल और एक्स जैसी कंपनियां यूजर जनरेटेड कंटेंट के आधार पर बड़े कारोबारी साम्राज्य खड़े कर सकी हैं।सरकार के एक वर्ग का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं रह गए हैं।



चारधाम में पारा माइनस 13 डिग्री तक लुढ़का, यूपी के 10 शहर कोहरे की चपेट में

तेलंगाना में बाढ़ के बीच दो रेस्क्यू बोट पलटीं, 11 जवान लापता; नोएडा का एक्यूआई 405 पहुंचा, कई शहरों की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। *देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के तेवर बदलने लगे हैं। उत्तराखंड के चारों धामों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। गंगोत्री में न्यूनतम तापमान माइनस 13 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि बद्रीनाथ में पारा माइनस 9 और केदारनाथ में माइनस 8 डिग्री तक लुढ़क गया। यमुनोत्री में भी तापमान माइनस 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। चार दिन पहले केदारनाथ में हुई बर्फबारी के बाद बर्फ अब तक नहीं पिघली है। पहाड़ी इलाकों में बढ़ती ठंड के बीच मौसम विभाग ने उत्तराखंड में 12 नवंबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है।*



उत्तर प्रदेश में भी मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम ठंड का अहसास बढ़ रहा है, वहीं कई शहरों में घना कोहरा छाने लगा है। गुरुवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ समेत प्रदेश के 10 शहर कोहरे की चपेट में रहे। दूसरी ओर वायु प्रदूषण ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 405 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में है। गाजियाबाद, हापुड़ और बागपत की हवा भी रेड जोन में पहुंच गई है। इधर, तेलंगाना के खम्मम जिले में बाढ़ के बीच बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को बाढ़ के पानी में दो रेस्क्यू बोट पलट गईं। इनमें एसडीआरएफ और फायर सर्विस के 11 जवान सवार थे। सभी जवान बाढ़ में फंसे मछुआरों को बचाने के लिए अभियान पर निकले थे। नाव पलटने के बाद सभी जवान लापता हो गए। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में भी भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित है। आंध्रप्रदेश के एलुरु जिले में पेड्डा वागु नदी में आई बाढ़ के कारण पुल का स्ट्रक्चर बह गया। राजामहेंद्रवरम में पुलिसकर्मी बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने में जुटे हैं। वहीं, चेन्नई के गोपालपुरम में भारी बारिश से निचले इलाके जलमग्न हो गए। सड़क पार करने की कोशिश में कुछ लोग बाढ़ के पानी में फंस गए, जिन्हें निकालने के प्रयास किए गए। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में तूफान मुरासु के प्रभाव से लगातार दूसरे दिन बारिश जारी रही। इससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 नवंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिलेगी, जिससे लोगों को ठंड से राहत मिल सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, डिस्चार्ज होने के कुछ घंटे बाद ही बिगड़ी तबीयत

मुंबई, यशभारत। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को बुधवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए भर्ती कराया गया। खास बात यह है कि उन्हें कुछ घंटे पहले ही पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी मिली थी। सीने में सांस लेने के दौरान दर्द (प्ल्यूरिटिक पेन) की शिकायत के बाद उन्हें दो दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था।



अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आगे की जांच की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें मुंबई लाया गया। उनकी बेटी और पार्टी सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर शरद पवार के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

कारगिल में सेना का वाहन 600 फीट गहरी खाई में गिरा, दो जवानों की मौत

कारगिल ,ईएमएस। लद्दाख के कारगिल में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर करीब 600 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसा कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर नामिका ला दर्रे के पास दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। दुर्घटना के समय वाहन में केवल दो जवान सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और खाई में उतरकर दोनों जवानों के शव बरामद किए। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिरा। हादसे के कारणों की विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

तमिलनाडु-केरल में ईडी की 11 जगह छापेमारी, को-ऑपरेटिव सोसायटी में करोड़ों की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली ईएमएस। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को तमिलनाडु और केरल में 11 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई भारत लजना मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी और उसके प्रमोटर आर. प्रेमकुमार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई। ईडी की कोच्चि यूनिट ने पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की। एजेंसी के मुताबिक, प्रेमकुमार सोसायटी के संस्थापक सदस्य होने के साथ वास्तविक चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं। आरोप है कि उन्होंने सोसायटी में लोगों द्वारा जमा कराई गई करोड़ों रुपये की रकम अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के बैंक खातों में ट्रांसफर कराई। जांच एजेंसी का यह भी आरोप है कि सोसायटी का रागम थिएटर गिरवी रखकर प्राप्त रकम संस्था के खाते में जमा नहीं कराई गई। इसके अलावा कांचीपुरम में करीब 500 एकड़ जमीन पत्नी के नाम पर खरीदने का आरोप भी है।

भाजपा-कांग्रेस समेत 68 दलों के संविधान चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से गायब, नौ महीने बाद भी नहीं हुआ अपडेट



नई दिल्ली, यशभारत। *राजनीतिक दलों के कामकाज में पारदर्शिता लाने और उनके संगठनात्मक ढांचे की जानकारी सार्वजनिक करने के चुनाव आयोग के निर्देशों का देश की अधिकांश राजनीतिक पार्टियां पालन नहीं कर रही हैं। आयोग के आदेश के नौ महीने बाद भी भाजपा, कांग्रेस समेत 68 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नए संविधान और संशोधित नियम सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सके हैं। देश के कुल 73 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से केवल पांच ने ही आयोग के निर्देश के बाद अपने संविधान और संगठनात्मक नियमों की जानकारी अपडेट कराई है।*

चुनाव आयोग ने 8 दिसंबर 2025 को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपने संविधान में किए गए संशोधनों और संगठनात्मक नियमों की अद्यतन जानकारी आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की आंतरिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक चुनाव और निर्णय लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना था। इसके बावजूद अधिकांश दलों ने अब तक इस दिशा में जरूरी कार्रवाई नहीं की है। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के मुताबिक, निर्देश के बाद जिन पांच दलों ने अपने दस्तावेज अपडेट कराए हैं, उनमें एआईएमआईएम, बीजू जनता दल, रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी, वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी शामिल हैं। इसके उलट देश के छह राष्ट्रीय दलों में से किसी ने भी निर्देश के बाद अपने संविधान को नई तारीख के साथ सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं कराया है। इन राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी शामिल हैं। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संविधान पर जुलाई 2022 और शिवसेना के संगठनात्मक दस्तावेज पर मई 2022 की तारीख दर्ज है। इससे राजनीतिक दलों के संगठनात्मक दस्तावेजों को नियमित रूप से अपडेट करने की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।



हैदराबाद में 6.78 करोड़ के जाली नोट बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। *तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पुलिस ने नकली नोट बनाने और उन्हें बाजार में चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.78 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बरामद सभी नोट 500 रुपये के हैं।*

फ्यूचर सिटी के पुलिस कमिश्नर तरुण जोशी ने बताया कि अब्दुल्लापुरमेट पुलिस और शादनगर स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एक नवंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर रामोजी फिल्म सिटी के पास पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोककर उसमें सवार आरोपियों को पकड़ा। कार की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में नकली नोट मिले। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर जाली नोटों के स्रोत और उनके इस्तेमाल के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गिरोह नकली नोट कहां छापता था और उन्हें बाजार में किस तरह पहुंचाता था। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क, नकली नोट छापने के ठिकाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है। बरामद नोटों की मात्रा को देखते हुए पुलिस इस गिरोह के अन्य संपर्कों और संभावित सहयोगियों का भी पता लगा रही है।

अमेरिकी चुनाव के असर से शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल, सेंसेक्स 1400 अंक चढ़ा

निफ्टी में 400 अंकों की तेजी, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में जोरदार खरीदारी; कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा



मुंबई, यशभारत। *अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को संसद में बहुमत गंवाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। गुरुवार 5 नवंबर को कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1400 अंक (1.75 प्रतिशत) उछलकर 78,700 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी में भी करीब 400 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और यह 24,350 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली।*

शेयर बाजार में इस तेजी के पीछे अमेरिकी चुनाव के नतीजों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट को प्रमुख वजह माना जा रहा है। अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प पर अपनी नीतियों को लेकर राजनीतिक दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसका असर वैश्विक बाजारों पर भी दिखाई देने लगा है। दरअसल, अमेरिका में राजनीतिक समीकरण बदलने के बाद अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने का दबाव बढ़ने की उम्मीद है। निवेशकों को आशंका है कि युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा कीमतों में अब नरमी आ सकती है। इसी उम्मीद के चलते कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत गिरकर 94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। दोनों ही प्रमुख कच्चे तेल के मानक करीब दो महीने के निचले स्तर पर आ गए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए राहत भरी मानी जाती है। इससे देश के आयात बिल, महंगाई और कंपनियों की उत्पादन लागत पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि वैश्विक घटनाक्रम के बीच घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और बाजार में चौतरफा खरीदारी का माहौल बना।

टीएमसी विधायक के कार्यालय से 1.02 करोड़ रुपये बरामद, बंगाल में सियासी घमासान



शुभेंदु बोले- बड़े भ्रष्टाचार का छोटा हिस्सा, ममता-अभिषेक पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक कार्यालय से पुलिस ने 1.02 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है। यह कार्यालय पार्टी के बागी विधायक शमीम अहमद का बताया जा रहा है। नकदी की बरामदगी के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस कार्रवाई को बड़े भ्रष्टाचार का एक छोटा हिस्सा बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधा है। वहीं, टीएमसी ने पुलिस की कार्रवाई को साजिश करार देते हुए आरोप लगाया है कि निगरानी में रखे गए कार्यालय में जानबूझकर झूठे सबूत रखे गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बरामद हुई रकम ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के कथित भ्रष्टाचार की तुलना में कुछ भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ने राज्य का पूरा राजस्व हड़प लिया। अधिकारी ने तंज कसते हुए कहा कि यह रकम उनकी रोज की कमाई का हिस्सा थी। उनके मुताबिक, बरामद नकदी से राज्य में कथित तौर पर चल रहे बड़े भ्रष्टाचार के नेटवर्क का अंदाजा लगाया जा सकता है। डायमंड हार्बर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक मजूमदार के अनुसार, कार्यालय में छापेमारी गिरफ्तार सहयोगी सुमित रॉय से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर की गई। रॉय को कथित वित्तीय गड़बड़ी के मामले में पुलिस हिरासत में रखा गया है। पुलिस ने कार्यालय से मिली नकदी जब्त कर ली है और इस संबंध में जांच की जा रही है।

अबू धाबी में मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा का जयंती समारोह

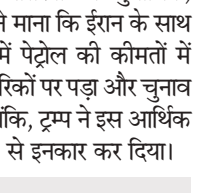
प्रवासी भारतीयों ने दिखाई सांस्कृतिक एकजुटता



अबू धाबी, यशभारत। बिहार एंड झारखंड समाज, अबू धाबी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा दिवस के अवसर पर भारतीय दूतावास, अबू धाबी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रगीतों के गायन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी संस्कृति पर आधारित बनाई गई पेंटिंग्स की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय राजदूत डॉ. दीपक मित्तल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष, साहस और देश की आजादी में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन देशभक्ति, सामाजिक चेतना और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विदेश में रहते हुए भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों की विरासत को जीवित रखने के लिए बिहार एंड झारखंड समाज सहित अबू धाबी में रह रहे प्रवासी भारतीयों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अबू धाबी में निवासरत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में महिलाओं और बच्चों ने नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित इन प्रस्तुतियों ने आयोजन को उत्साह, उमंग और रंगों से भर दिया। विदेश की धरती पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम में देशप्रेम, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण बना रहा।

पत्नी की नृशंस हत्या के बाद कटा सिर लेकर गांव में घूमता रहा पति

दिनाजपुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली हत्या की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। गंगारामपुर के नारायणपुर इलाके में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति अपनी पत्नी का कटा हुआ सिर हाथ में लेकर गांव की गलियों में घूमता रहा। इस खौफनाक दृश्य को देखकर इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोग दहशत में आ गए। घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी किसी से बचने या भागने के बजाय खुलेआम इलाके में घूमता रहा। जानकारी के मुताबिक, आरोपी की पहचान रिंटू घोष के रूप में हुई है, जबकि मृतका का नाम सीमा सरकार घोष बताया गया है। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी कथित तौर पर उसका कटा हुआ सिर लेकर कुछ दूर तक घूमता रहा। इसके बाद वह एक मंदिर पहुंचा और वहां बैठकर हाथ जोड़कर प्रार्थना करने लगा। मंदिर में इस तरह आरोपी को देखकर आसपास मौजूद लोग भी सकते में आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मृतका का शव उसके घर से बरामद किया है। घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार भी जब्त किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।



ट्रंप की चुनावी हार पर ईरान में जश्न, तेहरान में अमेरिकी और इस्राइली नेताओं के पोस्टर जलाए

तेहरान, एजेंसी। *अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके का असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी दिखाई देने लगा है। चुनावी नतीजों के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में सरकार समर्थकों और कट्टरपंथी समूहों ने जश्न मनाते हुए अमेरिका और इस्राइल के शीर्ष नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर उत्साह भी दिखाई दिया।*



ईरान में इन प्रदर्शनों को ट्रंप प्रशासन की नीतियों और दोनों देशों के बीच जारी तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चुनावी नतीजों को ट्रंप की राजनीतिक मुश्किलों से जोड़कर पेश किया। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव तथा इस्राइल के साथ अमेरिका की नजदीकी लंबे समय से तेहरान की राजनीति में विरोध का प्रमुख मुद्दा रही है।

महंगाई और ईरान युद्ध ने बढ़ाई ट्रंप की मुश्किलें

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के पीछे घरेलू अर्थव्यवस्था और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों को अहम माना जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान पेट्रोल की बढ़ती कीमतें, रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की महंगाई और ईरान के साथ सैन्य टकराव मतदाताओं के बीच चर्चा के प्रमुख विषय रहे। डेमोक्रेटिक पार्टी ने इन मुद्दों को उठाकर ट्रंप प्रशासन को घेरा। माना जा रहा है कि महंगाई और युद्ध से पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता ने रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ माहौल बनाने में भूमिका निभाई। ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर अमेरिकी नागरिकों की चिंता भी ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बनी। युद्ध के आर्थिक प्रभावों और विदेश नीति को लेकर उठे सवालों ने चुनावी बहस को प्रभावित किया। नतीजों के बाद ईरान में हुए प्रदर्शनों को इसी राजनीतिक घटनाक्रम की अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप बोले- दोबारा मौका मिला तो ईरान पर करेंगे हमला

चुनावी झटके के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ा। हालांकि, उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना जरूरी था।

ट्रम्प ने माना- ईरान जंग के कारण मिडटर्म हार

मौका मिला तो फिर करेंगे हमला



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि ईरान के साथ युद्ध का असर मिडटर्म चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ा और उसे बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा। चुनाव में पार्टी दोनों सदनों में अपना बहुमत गंवा चुकी है। इसके बावजूद ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराते हुए साफ कहा कि अगर उन्हें दोबारा फैसला लेने का मौका मिला तो वह फिर हमला करेंगे। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई करना जरूरी था और इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था।रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने माना कि ईरान के साथ युद्ध के चलते कुछ समय के लिए अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। इसका असर आम अमेरिकी नागरिकों पर पड़ा और चुनाव में मतदाताओं की नाराजगी भी सामने आई। हालांकि, ट्रम्प ने इस आर्थिक दबाव को सैन्य कार्रवाई रोकने की वजह मानने से इनकार कर दिया।

हाजिरी का हिसाब गायब, खाते से निकल गए 275 करोड़! बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी में वेतन भुगतान पर बड़ा सवाल

RTI में 1988 से 2023 तक का चौंकाने वाला खुलासा, कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड नहीं दे पाया विश्वविद्यालय

भोपाल, यश भारत।

राजधानी के बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में वेतन भुगतान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना का अधिकार (ऋ्ञढ्ढ) के तहत सामने आई जानकारी के मुताबिक, वर्ष 1988 से 2023 के बीच विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को करीब 275 करोड़ रुपये वेतन के रूप में भुगतान किए गए, लेकिन विश्वविद्यालय इस अवधि का हाजिरी रजिस्टर और उपस्थिति से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सका। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं है, तो उनके वेतन भुगतान का सत्यापन किस आधार पर किया गया?

यह मामला विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह के ऋ्ञढ्ढ आवेदन के बाद सामने आया है। उन्होंने विश्वविद्यालय से कर्मचारियों की उपस्थिति और वेतन भुगतान से जुड़ी जानकारी मांगी थी। आवेदन के जवाब में हाजिरी का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने से वेतन भुगतान की पूरी प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। हालांकि, रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होना अपने आप में फर्जी हाजिरी या वित्तीय घोटाले का प्रमाण नहीं है, लेकिन इसने विश्वविद्यालय के दस्तावेजी प्रबंधन और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल जरूर खड़े किए हैं।





35 साल तक हाजिरी में गड़बड़ी का मामला नहीं, फिर रिकॉर्ड कहां गया?

मिली जानकारी के अनुसार, करीब 35 वर्षों की अवधि में हाजिरी से संबंधित गड़बड़ी का कोई मामला दर्ज होने की जानकारी भी सामने नहीं आई है। वहीं विश्वविद्यालय यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कर्मचारियों की उपस्थिति किस व्यवस्था के तहत दर्ज और सत्यापित की जाती थी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये के वेतन बिलों को किस आधार पर प्रमाणित किया जाता रहा और भुगतान की मंजूरी किस प्रक्रिया से दी गई?

शिक्षकों और विभागों की संख्या भी बढ़ी

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय में शुरुआती दौर में शिक्षण स्टाफ के पांच सदस्य थे। समय के साथ विभागों की संख्या बढ़कर 20 हो गई। वर्तमान व्यवस्था के तहत करीब 40 नियमित शिक्षक, 21 संविदा शिक्षक और लगभग 250 गेस्ट फैकल्टी शिक्षण कार्य से जुड़े बताए गए हैं। विश्वविद्यालय का सालाना खर्च करीब 13 करोड़ रुपये बताया गया है।

पूर्व छात्र ने उठाई जांच की मांग

RTI के जरिए जानकारी जुटाने वाले पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि वेतन बिल किस अधिकारी ने प्रमाणित किए भुगतान के लिए कौन-कौन से दस्तावेज इस्तेमाल किए गए और कर्मचारियों की उपस्थिति का सत्यापन किस आधार पर हुआ। उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई है।

रजिस्ट्रार बोले- मेरे कार्यकाल से पहले का मामला

मामले में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एसबी सिंह ने कहा है कि संबंधित घटनाएं उनके कार्यकाल से पहले की हैं। ऐसे में अब निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित जांच एजेंसियों पर हैं। जांच के जरिए ही स्पष्ट हो सकेगा कि हाजिरी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के पीछे प्रशासनिक लापरवाही थी या वेतन भुगतान की प्रक्रिया में कोई गंभीर अनियमितता हुई। फिलहाल 275 करोड़ रुपये के वेतन भुगतान और 35 वर्षों के हाजिरी रिकॉर्ड का मामला विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल बन गया है। अब जरूरत इस बात की है कि वेतन बिल, उपस्थिति प्रमाणन, ऑडिट रिपोर्ट और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की समयबद्ध जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।



सरोजिनी नायडू कॉलेज में तीन दिवसीय दीपोत्सव मेले का आयोजन

छात्राओं और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मिलेगा स्वनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री का मौका

भोपाल ,यश भारत। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में 3 से 5 नवंबर तक तीन दिवसीय दीपोत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं अर्न वाइल यू लर्न के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले में छात्राएं अपने हाथों से तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर उनका विक्रय कर सकेंगी। मेले में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए स्टॉल पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। इसके अलावा अन्य महाविद्यालयों की छात्राएं और स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी अपने उत्पादों के स्टॉल लगा सकेंगी। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में उद्यमिता, स्वरोजगार और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देना है। मेला प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 4 बजे तक विवेकानंद सभागार में लगेगा। स्टॉल लगाने की इच्छुक छात्राएं स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ की श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव अथवा गृह विज्ञान विभाग की डॉ. लक्ष्मी अग्निहोत्री से संपर्क कर सकती हैं।



पीसीओएस के उपचार पर योग और जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल तैयार

भोपाल,यश भारत।

एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने बेंगलुरु स्थित निमहांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्र 2026 में पीसीओएस पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के प्रबंधन के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया। आईसीएमआर के सहयोग से अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक एम्स भोपाल में हुए इस अध्ययन में 27 अभ्यासों का प्रोटोकॉल तैयार किया गया। इसमें सूर्य नमस्कार प्राणायाम गहरा विश्राम कुंजल क्रिया और कटि स्नान शामिल हैं। देश के विभिन्न संस्थानों के 35 विशेषज्ञों ने इस प्रोटोकॉल को औसतन 10 में से 8.6 अंक दिए। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यह अध्ययन पीसीओएस पर भविष्य में होने वाले क्लिनिकल ट्रायल के लिए मानक और प्रमाणित आधार उपलब्ध कराएगा। शोध में डॉ. श्वेता पटेल सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी योगदान दिया।

अस्पताल की सरकारी जमीन पर रसूखदार का टप, पांच दिन बाद भी कार्रवाई नहीं!

बनखेड़ी, यशभारत।

नगर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। अस्पताल रोड स्थित साई मंदिर के पीछे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नवनिर्मित लैब के पास 31 अक्टूबर की रात कथित तौर पर एक रसूखदार नेता के संरक्षण में एक व्यक्ति द्वारा भारी-भरकम लोहे का टप रखवाए जाने का मामला सामने आया है। सुबह जानकारी लगते ही वार्डवासियों ने विरोध शुरू कर दिया। बावजूद इसके पांच दिन बीतने के बाद भी टप नहीं हटाया गया है। मामले को लेकर वार्डवासियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर भी शासकीय अस्पताल की जमीन पर टप रखे जाने को लेकर विरोध जताया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विभाग ने भी अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।



स्वास्थ्य विभाग ने तहसीलदार और नगर परिषद को लिखा पत्र, अतिक्रमण हटाने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने एसडीएम को दिया आवेदन- नगर परिषद बनखेड़ी के वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष दुर्गेश बेलवंशी ने 2 नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया को लिखित आवेदन सौंपकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनखेड़ी की शासकीय भूमि पर रखे गए विशाल लोहे के टप कंटेनर को हटवाने और भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित शासकीय अस्पताल की भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना सक्षम अनुमति के दुकानें एवं घुमटियां रखकर अस्थायी अतिक्रमण किया गया है। ऐसे में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग भी मैदान में, तहसीलदार- नगर परिषद को पत्र- मामले को बढ़ता देख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेएस परिहार ने 3 नवंबर को बनखेड़ी तहसीलदार एवं नगर परिषद बनखेड़ी को पत्र लिखकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि अस्पताल परिसर की शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाने के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।

पीसीओएस के उपचार पर योग और जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल तैयार

एम्स भोपाल की डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने निमहांस में प्रस्तुत किया शोध, 35 विशेषज्ञों ने दी 8.6 की औसत रेटिंग



भोपाल,यश भारत।

एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने बेंगलुरु स्थित निमहांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्र 2026 में पीसीओएस पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के प्रबंधन के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया। आईसीएमआर के सहयोग से अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक एम्स भोपाल में हुए इस अध्ययन में 27 अभ्यासों का प्रोटोकॉल तैयार किया गया। इसमें सूर्य नमस्कार प्राणायाम गहरा विश्राम कुंजल क्रिया और कटि स्नान शामिल हैं। देश के विभिन्न संस्थानों के 35 विशेषज्ञों ने इस प्रोटोकॉल को औसतन 10 में से 8.6 अंक दिए। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यह अध्ययन पीसीओएस पर भविष्य में होने वाले क्लिनिकल ट्रायल के लिए मानक और प्रमाणित आधार उपलब्ध कराएगा। शोध में डॉ. श्वेता पटेल सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी योगदान दिया।



सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

पॉक्सो एक्ट, ऑनलाइन ग्रूमिंग और अच्छे-बुरे स्पर्श की दी जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों से कराया अवगत

भोपाल, यश भारत।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरक्षित बचपन अभियान के तहत कस्तूरबा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा बाल अधिकार ऑनलाइन उत्पीड़न और पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश हिमांशु कौशल ने बच्चों को अच्छे बुरे स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा और शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किसी अनुचित घटना की जानकारी अभिभावकों, शिक्षकों या विश्वसनीय व्यक्ति को तुरंत दें। कार्यक्रम में साइबर बुलिंग फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, सेक्सटॉर्शन और निजी फोटो के दुरुपयोग से बचाव के तरीके बताए गए।

सिवनी के छोटे गांव से लाल किले तक पहुंचा पत्रकार सलीम का सफर

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित

नई दिल्ली , यश भारत । मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के एक छोटे से गांव गोपालगंज से शुरू हुआ संघर्ष और मेहनत का सफर आज दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले तक पहुंच गया है। गांव की गलियों में साइकिल से अखबार बेचने वाले सलीम रेहमान को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सलीम रेहमान की कहानी किसी बड़े शहर की सुविधाओं या संसाधनों से शुरू नहीं हुई। उनका ताल्लुक सिवनी जिले के छोटे से गांव गोपालगंज से है।



शुरुआती दिनों में उन्होंने साइकिल पर घूम-घूमकर अखबार बेचने का काम किया। इसी दौरान समाचारों और पत्रकारिता के प्रति उनकी रुचि बढ़ी और उन्होंने धीरे-धीरे लिखना शुरू किया। यहीं से उनके पत्रकारिता के सफर की नींव पड़ी। सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का उनका जुनून उन्हें एक शहर से दूसरे शहर और फिर देश की सीमाओं के पार ले गया। सलीम ने अपने पत्रकारिता करियर में सिवनी से शुरुआत की और फिर नागपुर तथा मुंबई में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उनका सफर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंचा, जहां वे वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। मुंबई और दुबई में भी उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। इनमें यूएई के शाही परिवार के वरिष्ठ सलाहकार एवं ट्रस्ट इन ट्रेड के सीईओ डॉ. अर्शी अयूब जवेरी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भतीजे और हाउस ऑफ कलाम, रामेश्वरम के सचिव एपीजेएम जैनुलाबुद्दीन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

समारोह में पुरस्कार की संस्थापक सोनिया मेयर्स तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार से जुड़े एपीजेएम शेख सलीम की भी विशेष उपस्थिति रही। सलीम रेहमान का पारिवारिक जुड़ाव भी पत्रकारिता से रहा है। वे सिवनी के वरिष्ठ पत्रकार एम. रहमान के छोटे भाई मौलाना अलीम रेहमान के पुत्र हैं। ऐसे माहौल में उन्होंने पत्रकारिता की बारीकियों को समझा और अपने दम पर आगे बढ़ने का रास्ता चुना।

संत नगर में गूंजी हनुमान चालीसा 51 हजार पाठों का संकल्प पूर्ण

हिरदाराम नगर।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर, संतनगर में श्री हनुमान जी महाराज के अखंड धार्मिक अनुष्ठान और 51,000 संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ के महासंकल्प का एक वर्ष पूर्ण होने पर महोत्सव आयोजित किया गया। गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहें।

रामप्रवेश दासजी ने कहा , 'भगवान की असीम कृपा से ही आज हम सब यहां एकत्रित हुए हैं। सनातन धर्म की रक्षा और समाज की एकजुटता के लिए सभी धर्मप्रेमी बंधुओं को मिलकर आगे आने की आवश्यकता है।' कार्यक्रम के दौरान गायकों द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी के बीच महाआरती संपन्न हुई।



इस अवसर पवर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, संस्कार स्कूल के सचिव बसंती चेलानी, कथा व्यास आचार्य राजीव लोचन शास्त्री, कथा व्यास राम मोहन तिवारी, कथा व्यास मनोज शास्त्री कथा व्यास सुश्री निधि किशोरी आचार्य लेखराज शर्मा, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित अखिलेश शर्मा, पंडित मुदित शर्मा ,पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष मधु चंदवानी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामू केवट, हिंदू फैंस क्लब के अध्यक्ष ,राधे महाराज व अन्य मौजूद रहें। आभार हीरो हिंदू ने व्यक्त किया।

संस्कार विद्यालय के मोन्टेसरी बच्चों ने रामायण नाटिका से सजाया दीपोत्सव

हिरदाराम नगर.

संस्कार विद्यालय में मोन्टेसरी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए दीपावली के पर्व और उसके सांस्कृतिक महत्व को समझाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नन्हें-मुन्नों ने अपनी प्रस्तुतियों दीं। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा रामायण पर आधारित एक सुंदर नाटिका और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ हुई। छोटी उम्र के बच्चों की यह प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय में विद्यार्थियों को बाल्यावस्था से ही भारतीय संस्कृति



और हिंदू पर्वों के महत्व से अवगत कराया जाता है, ताकि बच्चे छोटी उम्र से ही अपनी जड़ों और संस्कृति को भली-भांति पहचान सकें। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि विद्यालय का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सनातन संस्कृति से भी जोड़कर रखा जाए। उन्होंने अंत में सभी को दीपावली की मंगलकामनाएं दीं। संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांषी आडवानी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं।

सेवा सदन अस्पताल में 6 से 10 नवंबर तक 24 घंटे मिलेगी इमरजेंसी नेत्र चिकित्सा सेवा

हिरदाराम नगर।

दीपावली के अवसर पर 6 से 10 नवंबर 2026 तक सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर में पांचों दिन 24 घंटे आपातकालीन (इमरजेंसी) नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पर्व के दौरान पटाखों से आंखों में चोट लगने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, अस्पताल प्रबंधन द्वारा रात के समय भी डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की विशेष तैनाती की गई है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके।

बता दें वर्ष 2015 से 2025 तक दीपावली के अवसर पर भोपाल



और आसपास के क्षेत्रों से आतिशबाजी के कारण आंख, में चोट लगने वाले अनेक मरीज इलाज के लिए सेवा सदन पहुंचे थे। ऐसे मामलों में समय पर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने और मरीजों की दृष्टि को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अस्पताल प्रबंधन द्वारा हर साल यह विशेष व्यवस्था की जाती है। यह सुविधा संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन के सिटी सेंटर (पुराना अस्पताल) में भी उपलब्ध रहेगी।

हेल्पलाइन नंबर जारी

आंखों में चोट लगने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के लिए अस्पताल ने 9516546821 हेल्पलाइन मोबाइल नंबर जारी किया है। घायल व्यक्ति या उनके परिजन इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

दीपावली से पहले कर्मचारियों को झटका: डीए और एरियर के आदेश के बाद भी कोषालयों में अटका भुगतान, पोर्टल की विंडो बंद

भोपाल,यशभारत।

मध्य प्रदेश के साढ़े सात लाख से अधिक शासकीय कर्मचारियों के लिए दीपावली का उल्लास फीका पड़ता नजर आ रहा है। शासन के वित्त विभाग द्वारा 30 अक्टूबर को 2 प्रतिशत बढ़े हुए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के आदेश जारी कर दिए गए हैं, लेकिन तकनीकी बाधाओं के चलते यह राहत कागजों से जमीन पर उतरती नहीं दिख रही है। आलम यह है कि आदेश जारी होने के चार दिन बाद भी कोषालयों में भुगतान के लिए देयक नहीं लग पा रहे हैं, जिसकी मुख्य वजह एरियर पोर्टल पर भुगतान की विंडो का बंद होना है।



10 महीने के एरियर का लाभ, पर प्रक्रिया पर लगा ब्रेक

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने इस पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि वित्त विभाग के आदेश के अनुसार जनवरी से सितंबर तक के 9 महीने के एरियर की पहली किस्त नवंबर में, दूसरी दिसंबर में और तीसरी जनवरी में दी जानी है। चूंकि 30 अक्टूबर को आदेश जारी होने से पहले सितंबर का वेतन मिल चुका था, इसलिए कर्मचारियों को नियमानुसार 10 महीने का एरियर मिलना चाहिए। लेकिन, आईएफएमआईएस पोर्टल की साइट और भुगतान विंडो बंद होने के कारण कोषालय स्तर पर प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है।

कर्मचारी संघ की दो टूक: 6 नवंबर तक खुले विंडो-

श्रेणीवार बढ़ेगा वेतन और एरियर का गणित

2% डीए बढ़ने से विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के मासिक वेतनमें यह वृद्धि होगी:

प्रथम श्रेणी: ?2,462 से ?3,000 प्रति माह
द्वितीय श्रेणी: ?1,346 से ?1,600 प्रति माह
तृतीय श्रेणी: ?390 से ?1,200 प्रति माह
चतुर्थ श्रेणी: ?310 से ?400 प्रति माह

वहीं, 10 महीने के कुल एरियर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पहली किस्त के रूप में मिलना है:

प्रथम श्रेणी: कुल ?24,620 से ?30,000
द्वितीय श्रेणी: कुल ?13,460 से ?16,000
तृतीय श्रेणी: कुल ?3,900 से ?12,000
चतुर्थ श्रेणी:कुल ?3,100 से ?4,000

कर्मचारी संगठनों ने दो टूक मांग की है कि दीपावली के पावन पर्व से पहले कर्मचारियों के खातों में पहली किस्त की राशि हर हाल में पहुंचनी चाहिए। संघ ने वित्त विभाग से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए प्रदेश के सभी कोषालयों के लिए भुगतान हेतु आईएफएमआईएस की विंडो को तुरंत खुलवाने की मांग की है, ताकि समय रहते देयक प्रस्तुत हो सकें और कर्मचारी इस पर्व को खुशी के साथ मना सकें।



पटाखे चलाते समय आंखों की सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान : एम्स भोपाल

दिवाली पर सुरक्षात्मक चश्मा पहनें, आंख में चोट लगने पर तुरंत विशेषज्ञ से लें सलाह

भोपाल ,यश भारत।

दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान थोड़ी सी लापरवाही आंखों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। इसे देखते हुए एम्स भोपाल ने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी कर सुरक्षित दिवाली मनाने की अपील की है। एम्स ने पटाखे हमेशा वयस्कों की निगरानी में चलाने और छोटे बच्चों को अकेले आतिशबाजी नहीं करने देने की सलाह दी है। एडवाइजरी के अनुसार पटाखे खुले और सुरक्षित स्थान पर चलाएं तथा आंखों को धुएं, कणों और तेज रोशनी से बचाने के लिए सुरक्षात्मक चश्मा पहनें। पटाखा जलाने के बाद तुरंत सुरक्षित दूरी पर चले जाएं। अधजले पटाखों को दोबारा जलाने या छूने से बचें। पास में पानी की बाल्टी भी रखें। एम्स ने बताया कि आंख में चोट लगने पर उसे रगड़ें नहीं। धूल या कण जाने पर साफ पानी से धीरे धीरे धोएं। तेज दर्द, खून आने या धुंधला दिखाई देने पर तत्काल अस्पताल अथवा नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। बिना विशेषज्ञ की सलाह के घरेलू उपचार न करें।

निर्मला सप्रे की सदस्यता पर दो महीने में फैसला करे विधानसभा अध्यक्ष : सुप्रीम कोर्ट





भोपाल, यश भारत। बीना विधायक निर्मला सप्रे के दल-बदल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को दो महीने के भीतर निर्णय लेने को कहा है। यह याचिका विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने निर्मला सप्रे की सदस्यता समाप्त करने की मांग को लेकर दायर की थी। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने अदालत में पक्ष रखा। दरअसल निर्मला सप्रे ने वर्ष 2023 में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था। बाद में उनके भाजपा में शामिल होने का मामला सामने आया। इस पर सिंघार ने दल-बदल कानून के तहत उनकी सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सिंघार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में सप्रे को चुनकर विधानसभा भेजा था। दल बदल के मामले में जनता के जनादेश की गरिमा बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा अध्यक्ष निर्धारित समय सीमा में निष्पक्ष और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप निर्णय लेंगे।



बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे पटाखों की दुकान लगाई तो हो सकती है कार्रवाई

दीपावली पर विद्युत सुरक्षा को लेकर बिजली कंपनी की एडवाइजरी

भोपाल, यश भारत।

दीपावली पर विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल सहित 16 जिलों के उपभोक्ताओं और व्यापारियों से सावधानी बरतने की अपील की है। कंपनी ने पटाखा व्यापारियों को बिजली की लाइनों के नीचे ट्रांसफार्मर के नीचे या उनसे सटाकर दुकान नहीं लगाने की हिदायत दी है। बिजली लाइनों के आसपास आतिशबाजी और पटाखों का प्रदर्शन नहीं करने को भी कहा है। कंपनी ने मिठाई मूर्ति सजावटी सामान और पटाखों की अस्थाई दुकानों में रोशनी के लिए नियमानुसार अस्थाई बिजली कनेक्शन लेने के निर्देश दिए हैं। स्वीकृत भार से अधिक बिजली उपयोग और सीधे तार डालकर कनेक्शन लेने पर रोक लगाई गई है। कंपनी का मैदानी अमला और सतर्कता विंग बिजली चोरी की जांच करेगा। अनियमितता मिलने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 और 138 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के प्रदर्शन में नहीं पहुंचे तो यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई का आरोप



भोपाल,यश भारत। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित प्रदर्शन में शामिल नहीं होने पर मध्यप्रदेश के कुछ यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठन से हटाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि प्रदर्शन में अनुपस्थित रहने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें पदों से हटा दिया गया है। इस कार्रवाई को लेकर एक प्रभावित कार्यकर्ता ने नाराजगी जताई है। उसका कहना है कि पारिवारिक शोक के कारण वह दिल्ली के प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सका था। इसके बावजूद उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। कार्यकर्ता ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। मामले के सामने आने के बाद यूथ कांग्रेस की संगठनात्मक कार्यप्रणाली और कार्यकर्ताओं के प्रति जवाबदेही को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि अब तक संबंधित पदाधिकारियों की ओर से कार्रवाई के कारणों और आरोपों पर आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है।



भोपाल में खुलेगा देश का आठवां स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

विदेश में नौकरी के लिए युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण, विदेशी भाषा से लेकर इंटरव्यू की तैयारी तक सिखाई जाएगी

भोपाल ,यश भारत।

विदेश में नौकरी करने का सपना देख रहे मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए अच्छी खबर है। राजधानी भोपाल में देश का आठवां स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर खोला जाएगा। इस सेंटर के माध्यम से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार बाजार की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। सेंटर में विदेशी भाषाओं की शिक्षा इंटरव्यू की तैयारी और विदेशों में काम करने के लिए जरूरी कौशल सिखाए जाएंगे। साथ ही करियर काउंसलिंग के जरिए युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार के विकल्पों की जानकारी मिलेगी। विदेशी कंपनियों में उपलब्ध नौकरियों और अवसरों से भी अवगत कराया जाएगा। इस सेंटर का लाभ केवल तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं तक सीमित नहीं रहेगा। आईटीआई और पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों के साथ 10वीं 12वीं पास तथा गैर तकनीकी विषयों से पढ़ाई करने वाले युवा भी प्रशिक्षण ले सकेंगे। इस पहल से प्रदेश के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार की संभावनाएं बढ़ने की उम्मीद है।

अल्टो कार में घुसा 9 फीट लंबा अजगर, मचा हड़कंप

सूरज नगर चौराहे पर जुटी लोगों की भीड़, विशेषज्ञ मिथुन अकोदिया ने किया सुरक्षित रेस्क्यू



भोपाल,यश भारत। राजधानी भोपाल के सूरज नगर चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अल्टो कार के अंदर करीब 9 फीट लंबा अजगर घुस गया। कार में अजगर होने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। अजगर को कार के अंदर देखकर आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने पर सर्प विशेषज्ञ मिथुन अकोदिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी मशक्कत और सूझबूझ के साथ अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे कार से बाहर निकाला। काफी देर तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद अजगर के बाहर आते ही लोगों ने राहत की सांस ली। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने विशेषज्ञ मिथुन अकोदिया के साहस, सूझबूझ और रेस्क्यू कार्य की जमकर सराहना की। वहीं, अजगर के कार से निकलने का वीडियो भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की शत-प्रतिशत पहचान कर सुरक्षित प्रसव कराएं : उप मुख्यमंत्री शुक्ल



भोपाल, यश भारत। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने टीकमगढ़ छतरपुर दमोह एवं निवाड़ी जिले में पदस्थ बॉन्डेड डॉक्टर्स से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की शत प्रतिशत पहचान और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को संभावित प्रसव तिथि से एक सप्ताह पहले उपयुक्त स्वास्थ्य संस्थान में भर्ती कराने पर जोर दिया। शुक्ल ने कहा कि आशा, एएनएम सहित मैदानी स्वास्थ्यकर्मियों से नियमित संवाद कर उनकी समस्याएं समझें और अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करें। स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता स्टाफ की उपलब्धता और समयबद्ध उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बीएमओ एवं सीएमएचओ को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। साथ ही टेलीमेडिसिन के प्रभावी उपयोग अनावश्यक रेफरल रोकने और चिकित्सकों को संवेदनशीलता एवं सेवाभाव से कार्य करने की सलाह दी।

कोविड प्रभावित 27 बच्चों से मिलीं मंत्री निर्मला भूरिया

भोपाल, यश भारत। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को मंत्रालय में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन और मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के 27 लाभार्थी बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बच्चों की पढ़ाई समस्याओं रुचियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही दीपावली के उपहार भेंट कर उनका उत्साह बढ़ाया। मंत्री ने बच्चों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिक्षा सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई जारी रखने और अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

दोनों योजनाओं के तहत बच्चों को आर्थिक एवं शैक्षणिक सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री कोविड 19 बाल सेवा योजना में पात्र बच्चों को प्रतिमाह पांच हजार रुपये की सहायता मिलती है, जबकि पीएम केयर्स योजना में शिक्षा स्वास्थ्य बीमा और भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा का प्रावधान है। संवाद के दौरान बच्चों ने योजना की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी सरकारी सहयोग जारी रखने का आग्रह किया।

मध्यप्रदेश में आशा कार्यकर्ताओं के 3062 पदों पर होगी भर्ती

10वीं पास महिलाओं को मौका, 16 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू, पांच साल बाद निकली चयन प्रक्रिया

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के 3062 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। करीब पांच साल बाद होने वाली इस भर्ती में 10वीं पास महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। इसके लिए महिलाओं की आयु 21 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 नवंबर 2026 से शुरू होगी जबकि आवेदन की अंतिम तारीख 16 दिसंबर 2026 रखी गई है। इच्छुक एवं पात्र महिलाएं एमपी ई सेवा पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी। इस भर्ती से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को मजबूती मिलने की उम्मीद है। लंबे समय बाद भर्ती निकलने से ग्रामीण क्षेत्रों की पात्र महिलाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले पात्रता एवं चयन संबंधी दिशा-निर्देशों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है।





लंदन के वैश्विक पर्यटन मंच पर चमकी मध्यप्रदेश की विरासत

भोपाल, यश भारत। मध्यप्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए एमपी टूरिज्म बोर्ड लंदन में आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट 2026 में प्रदेश की विरासत और पर्यटन स्थलों का प्रदर्शन कर रहा है। 3 से 5 नवंबर तक एक्सेल लंदन में आयोजित इस आयोजन में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने मध्यप्रदेश पवेलियन का शुभारंभ किया। पवेलियन में यूनेस्को विश्व धरोहर खजुराहो सांची और भीमबेटका के साथ कान्हा बांधवगढ़ पेंच और पन्ना के वन्यजीव पर्यटन को प्रदर्शित किया गया। उज्जैन ओंकारेश्वर और महेश्वर के आध्यात्मिक पर्यटन को भी प्रमुखता दी गई। इसके अलावा लंदन में मध्यप्रदेश क्रॉनिकल्स कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश की कला संस्कृति जनजातीय परंपराओं और वन्यजीवों की कहानियां प्रस्तुत की गईं।

टैगोर स्कूल ग्राउंड से मंडी परिसर पहुंचा पटाखा बाजार, लॉटरी से हुआ आवंटन; सुरक्षा नियमों के पालन के निर्देश

बनखेड़ी में पटाखा दुकानों के आवंटन पर उठे सवाल, 50 की गाइडलाइन के बीच 86 दुकानों का वितरण

बनखेड़ी, यशभारत।

दीपावली पर्व के मद्देनजर बनखेड़ी में पटाखा दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया बुधवार को मंडी प्रांगण में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। दुकानों का वितरण पारदर्शी तरीके से पर्ची (लॉटरी) पद्धति के माध्यम से किया गया। इस दौरान कुल 86 दुकानों का आवंटन हुआ। हालांकि, पटाखा दुकानों के लिए निर्धारित गाइडलाइन में 50 दुकानों की सीमा होने के बावजूद 36 अतिरिक्त दुकानों का आवंटन चर्चा का विषय बन गया है।

प्रारंभिक तौर पर पटाखा दुकानों के संचालन के लिए टैगोर स्कूल ग्राउंड को स्थान चिन्हित किया गया था, लेकिन प्रशासन ने अव्यवस्था देख पटाखा बाजार को मंडी परिसर में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद मंडी प्रांगण में दुकानदारों के बीच पर्चियां उठवाकर दुकानों का आवंटन कराया गया।

आवंटन प्रक्रिया के दौरान डिप्टी कलेक्टर नरेंद्र सिंह मेवाड़ा, सीईओ जनपद पंचायत बनखेड़ी, थाना प्रभारी विजय सनस, नायब तहसीलदार मनोज कुमार नामदेव एवं नगर परिषद की टीम मौजूद रही। अधिकारियों की उपस्थिति में दुकानदारों को पर्ची पद्धति से दुकानें आवंटित की गईं, ताकि सभी आवेदकों को समान अवसर मिल सके।



सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त -पटाखा दुकानों के आवंटन के बाद प्रशासन ने व्यापारियों को शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार मनोज कुमार नामदेव ने व्यापारियों से निर्धारित स्थान पर ही दुकानें संचालित करने तथा अग्नि सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दीपावली के दौरान आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पटाखों के विक्रय एवं भंडारण में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

50 दुकानों की गाइडलाइन, फिर 86 का आवंटन

पटाखा दुकानों के आवंटन में सबसे महत्वपूर्ण सवाल निर्धारित गाइडलाइन को लेकर सामने आया है। जहां दुकानों की संख्या 50 तक सीमित होने की बात कही जा रही है, वहीं प्रशासनिक प्रक्रिया में 86 दुकानों का आवंटन किया गया। ऐसे में 36 अतिरिक्त दुकानों के आवंटन को लेकर नियमों की स्थिति स्पष्ट होना आवश्यक है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अतिरिक्त दुकानों के आवंटन को लेकर प्रशासन क्या स्पष्टीकरण देता है और सुरक्षा मानकों का पालन किस तरह सुनिश्चित किया जाता है।

संपादकीय

आरोपों की राजनीति बनाम जमीनी हकीकत

वोट चोरी के आरोपों से कितना बदल पाएगा देश का सियासी मिजाज?

भारतीय राजनीति इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप के एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ गई है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष के 21 राजनीतिक दलों की भागीदारी वाली वोट चोरी रैली के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बता रहा है, तो सत्तापक्ष इन आरोपों को राजनीतिक हताशा और जनता के जनादेश को नकारने की कोशिश के रूप में देख रहा है। रैली की सफलता और उसमें जुटी भीड़ को लेकर भले ही दोनों पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे हों, लेकिन इस पूरे घटना म ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या चुनावी प्र िया वास्तव में संदेह के घेरे में है या फिर लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक लड़ाई का हथियार बनाया जा रहा है?कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता, विशेषकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का दावा है कि मतदाता सूचियों से करोड़ों नाम हटाए गए और इसका चुनावी परिणामों पर असर पड़ा। उसका तर्क है कि जब जीत और हार का अंतर कई सीटों पर बेहद कम था, तब मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हुई कथित कटौती को सामान्य प्रशासनिक प्र िया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन इस पूरे आरोप की पड़ताल करते समय कुछ बुनियादी सवालों का जवाब भी जरूरी है। यदि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को व्यापक स्तर पर अवैध और धांधलीपूर्ण मानता है, तो क्या उस चुनाव से निर्वाचित केवल भाजपा के सांसदों का जनादेश ही संदिग्ध होगा? क्या विपक्ष के 99 सांसदों और स्वयं नेता प्रतिपक्ष का निर्वाचन भी उसी कसौटी पर नहीं आएगा? आखिर जिस चुनावी प्र िया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसी प्र िया से विपक्ष को भी संसद में प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे में आरोपों की गंभीरता के साथ उनके तार्किक आधार को भी स्पष्ट करना आवश्यक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव में भाजपा को लगभग 38 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस का मत प्रतिशत करीब 21 प्रतिशत रहा। हालांकि, मत प्रतिशत अपने आप में चुनावी प्र िया की निष्पक्षता का प्रमाण नहीं हो सकता, लेकिन जनादेश का आकलन करते समय इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चुनावी अनियमितताओं के आरोपों की जांच तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक दावों के आधार पर। दूसरी ओर, मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चल रही एसआईआर जैसी प्र िया को भी केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में मृत व्यक्ति यों के नाम, दोहरे पंजीकरण और स्थान परिवर्तन के कारण मौजूद त्रुटियों को दूर करना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम बिना उचित प्र िया और सूचना के सूची से बाहर न हो। सुधार की प्र िया और मताधिकार की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। यहां चुनाव आयोग की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसका पारदर्शी तरीके से जवाब सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार विपक्ष को है और उन सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना संस्थाओं की जिम्मेदारी है। हालांकि, इस पूरे विवाद का एक दूसरा पहलू भी है। क्या वोट चोरी का मुद्दा आम नागरिक की रोजमर्रा की चिंता बन पाया है? महंगाई, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और स्थानीय अव्यवस्थाओं से जूझ रहे आम आदमी के लिए चुनावी प्र िया का सवाल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन क्या यह उसकी प्राथमिक चिंताओं में शामिल हो पाया है? विपक्ष की लगातार कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी जनभावना कितनी मजबूत हुई है, इसका आकलन केवल रैलियों और राजनीतिक भाषणों से नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय राजनीति में अब आरोपों की विश्वसनीयता का फैसला केवल मंचों से नहीं, बल्कि जनता के बीच उनके प्रभाव से भी होगा। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण और तथ्य प्रस्तुत करने होंगे, वहीं सत्तापक्ष और चुनाव आयोग को भी पारदर्शिता के साथ संदेह दूर करने होंगे। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने का नाम नहीं है। उसकी असली ताकत निष्पक्ष चुनाव, मजबूत संस्थाओं और जनता के अटूट विश्वास में निहित है। इसलिए सवाल यह नहीं कि वोट चोरी का आरोप कौन लगा रहा है और उसका राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या देश की चुनावी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का विश्वसनीय समाधान सामने आ रहा है? आखिर लोकतंत्र में आरोपों से राजनीति तो गर्म हो सकती है, लेकिन जनता का भरोसा केवल तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से ही कायम रह सकता है।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
दिन सामान्य रहने वाला है किसी की मदद करने से खुशी मिलेगी

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
किसी विशेष कार्य को करने में दिन व्यतीत होगा लोगों की प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन खुशनुमा रहने वाला है

कर्क ही, हू, हे, है, हो, डा, डी, डू, डे, डो
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता का आशीर्वाद लेकर कार्य करें

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक यो, रो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग प्राणायाम अवश्य करें

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
साझेदारी के काम को सोच समझ कर आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन सामान्य रहने वाला है

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था।

(लेखक - विनोद सिंह 'तकियावाला')

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति

युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं।

दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है।

15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं।

दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73त्न से 77त्न हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है।

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।

वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी।

भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है।

कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5त्न है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं।

अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें

पुणे से एक खौफनाक धटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी. यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की. मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है. वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे. मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी. पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी. इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई। इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है. छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है. प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है. पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है.पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है. एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है. बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थ्री इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है. शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है.

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े बदलावों की तत्काल आवश्यकता है।

भारत सरकार देश में आत्महत्या की बढ़ती वारदातों को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बहु-स्तरीय प्रयास कर रही है। सरकार ने इसके लिए कानूनी बदलाव, डिजिटल तकनीक और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है।

सरकार द्वारा कुछ खास कदम उठाए जा रहे हैं

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति लागू की गई है।

इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में आत्महत्या मृत्यु दर में 10त्न की कमी लाना है।

इसके तहत अगले कुछ वर्षों में सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम को शामिल करने और देश के सभी जिलों में मनोरोग ओपीडी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूरदराज के क्षेत्रों तक मुफ्त और गोपनीय मानसिक परामर्श पहुँचाने के लिए सरकार ने डिजिटल तकनीक का बड़े पैमाने पर विस्तार किया हैदेश भर के 1.83 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों) में बुनियादी मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग सेवाओं को एकीकृत किया गया है।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले अंधविश्वास, शर्म (स्ह्लद्वद्वद्बड्ड) और रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए सरकार ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, ताकि लोग समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ सकें।इन व्यापक सरकारी रणनीतियों में केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों को भी एक साथ जोड़ा गया है ताकि युवाओं, किसानों और हर संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा घेरा दिया जा सके।

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

जनरल स्टोर में बिक रहे बिना लाइसेंस पटाखे, स्टॉक जब्त कर दुकान की सील



यश भारत, बैतूल

बैतूल अवैध पटाखा विक्रेताओं पर नकेल कसने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह ने खेडीसावलीगढ़ में एक जनरल स्टोर पर छापामार कार्रवाई कर पटाखे जब्त किए और दुकान को सील कर दिया। जानकारी के अनुसार कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में पटाखों के अवैध विक्रय एवं सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर प्रशासन द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डॉ. अभिजीत सिंह एवं एसडीओपी सुश्री अन्नपूर्णा सिरसाम द्वारा खेडीसावलीगढ़ में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अरिहंत जनरल स्टोर पर पटाखों की बिक्री होते हुए पाई गई। जांच में दुकान संचालक के पास पटाखों का लाइसेंस तो पाया गया, लेकिन जनरल स्टोर से पटाखों की बिक्री करने के लिए आवश्यक लाइसेंस अथवा अनुमति नहीं थी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दुकान से पटाखे जब्त किए तथा अरिहंत जनरल स्टोर को सील कर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पटाखों का विक्रय निर्धारित नियमों एवं लाइसेंस की शर्तों के अनुरूप ही किया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भीमपुर में स्कूल में बड़ी चोरी: पेड़ के सहारे लैब में घुसे चोर, स्मार्ट क्लास के 9 मॉनिटर ले उड़े

यश भारत, भीमपुर/बैतूल

भीमपुर बैतूल जिले के भीमपुर विकासखंड के प्रभु ढाना गांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। विज्ञान प्रयोगशाला से स्मार्ट क्लास के 9 मॉनिटर चुराकर चोर फरार हो गए। घटना शनिवार या रविवार रात की बताई जा रही है। सोमवार को जब स्कूल खुला तो प्रयोगशाला का दरवाजा खुला मिला और कुंदा टूटा हुआ था, जिसके बाद चोरी का



पता चला। एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य बी.डी. डोंगरे के मुताबिक स्मार्ट कक्षा के संचालन के लिए विभाग की ओर से विद्यालय को कुल 20 कंप्यूटर प्रदान किए गए थे। इन्हीं में से 9 कंप्यूटर के मॉनिटर चोर चुरा ले गए।

पेड़ के सहारे ऊपर पहुंचे चोर-प्राचार्य ने बताया कि स्कूल के निचले हिस्से और अन्य सभी प्रवेश द्वारों पर ताले लगे हुए थे। विज्ञान प्रयोगशाला ऊपर की मंजिल पर स्थित है।

कलेक्टर की जनसुनवाई में छलका दर्द:

दिव्यांग पिता बोला - दो मासूमों का पेट पालना मुश्किल, कलेक्टर ने मौके पर ही दिए पेंशन और राशन पर्ची के आदेश

यश भारत, बैतूल। बैतूल कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही निराकरण कराया गया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा तय करते हुए शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम अम्बाड़ा निवासी गोमा भलावी ने अपनी पीड़ा कलेक्टर के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना के कारण वे दिव्यांग हो गए हैं। पत्नी का भी निधन हो चुका है और अब दो छोटे बच्चों के भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। ऐसे में परिवार का पालन-पोषण करना उनके लिए बेहद कठिन हो रहा है। उन्होंने खाद्यान्न पर्ची बनाकर उसमें बच्चों के नाम जोड़े जाने एवं दिव्यांग पेंशन बनाए जाने के लिए निवेदन किया।

दिवाली से पहले मिलावट पर वार

शाहपुर में 150 किलो संदिग्ध मिठाई जब्त, जिले में 39 नमूने लिए

यश भारत, बैतूल/शाहपुर

शाहपुर दिवाली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शाहपुर में 150 किलो संदिग्ध मिठाई जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 37 हजार 500 रुपये बताई जा रही है। वहीं जिले भर में मिठाई, मावा और नमकीन के कुल 39 नमूने जांच के लिए लिए गए हैं।

कार्यालय आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश, भोपाल से प्राप्त निर्देशों के तहत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं नमूना संकलन की कार्रवाई की।

खाद्य सुरक्षा विभाग के जांच दलों ने तहसील शाहपुर में 5 मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर मिठाई के 15 नमूने लिए। जांच के दौरान एक प्रतिष्ठान से संदेह के आधार पर 150 किलोग्राम मिठाई जब्त की गई। इसी प्रकार तहसील आमला के ग्रामीण क्षेत्रों से मावा के 6 नमूने, चिचोली की 4 मिठाई दुकानों से



मिठाई एवं नमकीन के 14 नमूने तथा गुदगांव चौपाटी से मिठाई एवं नमकीन के 4 नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को राज्य शासन द्वारा एनालॉग डेयरी प्रोडक्ट्स को प्रतिबंधित किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही प्रतिष्ठानों में स्वच्छता नियमों का अनिवार्य पालन करने तथा खाद्य कारोबार से संबंधित दस्तावेजों का विधिवत संधारण करने के निर्देश दिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। विभाग की जांच कार्रवाई ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निरंतर जारी है।

अभद्र टिप्पणी से भड़का आक्रोश: भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष ने स्कको सौंपा ज्ञापन, साइबर एक्ट में कार्रवाई की मांग

यश भारत, बैतूल के लिए



बैतूल सोशल मीडिया पर सनातन धर्म, देवी-देवताओं और गौमाता को लेकर कथित अभद्र टिप्पणी के मामले ने तूल पकड़ लिया है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष भवानी गावंडे ने इस मामले में पुलिस अधीक्षक अमित सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में 'मुकड़दम सरकार बैतूल' नाम से संचालित फेसबुक अकाउंट पर की गई पोस्ट और टिप्पणियों को लेकर कड़ी आपत्ति जताई गई है। आरोप है कि इस अकाउंट के माध्यम से लगातार सनातन धर्म और देवी-देवताओं को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट एवं टिप्पणियां की जा रही हैं, जिससे सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। भवानी गावंडे ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि बैतूल जिले में अलग-अलग नामों से कई संगठन और सोशल मीडिया अकाउंट संचालित हो रहे हैं। आरोप है कि देवी-देवताओं के साथ-साथ गौमाता और जनप्रतिनिधियों को लेकर भी अभद्र भाषा एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की जाती हैं। इससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है।

उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए आग्रह किया कि संबंधित फेसबुक पोस्ट और सोशल मीडिया गतिविधियों की साइबर सेल के माध्यम से जांच कर आईटी एक्ट एवं अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत प्रतिबंधात्मक और दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

स्लीमनाबाद टनल का सपना अब साकार

उद्घाटन की तैयारी में सरकार, मुख्यमंत्री कर सकते हैं लोकार्पण

17 साल के इंतजार के बाद निर्माण कार्य अंतिम चरण में, 1610.47 करोड़ रुपये हुए खर्च;

1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर जमीन तक पहुंचेगा नर्मदा जल







कटनी, यशभारत। विंध्य और महाकौशल के किसानों के लिए करीब 17 वर्षों से देखा जा रहा नर्मदा जल का सपना अब हकीकत बनने की ओर है। देश की सबसे लंबी भूमिगत जल परिवहन सुरंगों में शामिल स्लीमनाबाद टनल परियोजना निर्माण के अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। टनल बोरिंग मशीन बाहर निकल चुकी है और अंदर बिछाई गई रेल पटरियों को हटाने का काम जारी है। अब परियोजना को विधिवत शुरू करने और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों इसके लोकार्पण की तैयारी को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।मुख्यमंत्री पहले ही परियोजना के उद्घाटन की तैयारियां करने के निर्देश दे चुके हैं। ऐसे में टनल का निर्माण पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री के हाथों इसका लोकार्पण संभावित है। हालांकि लोकार्पण की तारीख और कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी प्रतीक्षित है। अधिकारियों के अनुसार 25 से 30 नवंबर के बीच टनल में पानी छोड़ने की तैयारी की जा रही है। यह चरण पूरा होते ही परियोजना अपने सबसे महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंच जाएगी।

शिवराज से मोहन यादव तक पहुंचा परियोजना का सफर

स्लीमनाबाद टनल का सफर राजनीतिक और प्रशासनिक बदलावों के बीच आगे बढ़ता रहा। परियोजना के शुरुआती दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर इसकी प्रगति देखी थी। इसके बाद कमलनाथ के नेतृत्व वाली 15 माह की सरकार के दौरान परियोजना के काम को गति मिली। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तकनीकी चुनौतियों के कारण निर्माण की राह आसान नहीं रही। वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी 17 जुलाई को स्लीमनाबाद पहुंचकर टनल का निरीक्षण किया था। उन्होंने इसे विंध्य और महाकौशल के विकास के लिए महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए इसके शीघ्र संचालन की दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे। जून में हुई समीक्षा बैठक में भी मुख्यमंत्री ने इसके उद्घाटन की तैयारियां करने को कहा था।

799 करोड़ से शुरू हुई परियोजना, लागत 1610 करोड़ के पार

वर्ष 2008 में करीब 799 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना का अनुबंध हुआ था। लेकिन निर्माण के दौरान कठोर चट्टानों, भूमिगत जल के रिसाव, कमजोर भूगर्भीय संरचना और तकनीकी अड़चनों ने लागत और समय दोनों बढ़ा दिए। अब तक परियोजना पर 1610.47 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इसमें मूल निर्माण कार्य पर 772.33 करोड़, मूल्य समायोजन पर 573.71 करोड़, डी-वाटरिंग सिस्टम पर 123.99 करोड़, वर्टिकल शाफ्ट निर्माण पर 19.36 करोड़ और केमिकल ग्राउटिंग पर 121.08 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार ने इसमें करीब 275 करोड़ रुपये का सहयोग दिया है।

अथक प्रयास होंगें सार्थक..

परियोजना को अंतिम चरण तक पहुंचाने में जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यपालन यंत्री सहज श्रीवास्तव सहित एसडीओ दीपक मंडलोई, दिलीप सिंह,उपयंत्री मनुराज विभागीय अभियंता और तकनीकी कर्मचारी निर्माण की प्रगति, मशीनों को बाहर निकालने, अंदरूनी व्यवस्थाओं और पानी की निकासी से जुड़े कार्यों में जुटे हैं।

करीब 12 किलोमीटर लंबी सुरंग के निर्माण में सामने आई चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक जर्मन टनल बोरिंग मशीन, हाई कैपेसिटी डी-वाटरिंग सिस्टम और केमिकल ग्राउटिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया।

छह जिलों के 1450 गांवों को मिलेगा लाभ

करीब 11.952 किलोमीटर लंबी और 10.14 मीटर व्यास वाली इस सुरंग से नर्मदा का पानी बिना किसी पंप के गुरुत्वाकर्षण के सहारे विंध्य क्षेत्र तक पहुंचेगा। परियोजना से जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना जिले के लगभग 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलने का लक्ष्य है। टनल के साथ 12.135 किलोमीटर लंबी ओपन कट नहर का निर्माण भी पूरा बताया गया है।स्लीमनाबाद टनल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके नीचे से नर्मदा का पानी गुजरेगा और ऊपर कटनी नदी का प्राकृतिक प्रवाह जारी रहेगा। वर्षों तक निर्माण की चुनौतियों और बढ़ती लागत के कारण चर्चा में रही यह परियोजना अब लोकार्पण की दहलीज पर है। अब क्षेत्र के किसानों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि टनल में पानी छोड़ने के बाद नहरों के जरिए उनके खेतों तक सिंचाई का पानी कब पहुंचेगा। मुख्यमंत्री के हाथों प्रस्तावित लोकार्पण के साथ यह परियोजना कटनी ही नहीं, बल्कि पूरे विंध्य और महाकौशल के कृषि विकास की नई शुरुआत बन सकती है।

इनका कहना है।

टनल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। फिलहाल रेल पटरियों के अलावा अन्य मशीनरी और उपकरण बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में आई तकनीकी और अन्य बाधाओं के कारण काम प्रभावित हुआ, अन्यथा छह माह पहले ही निर्माण पूरा हो जाता। बाधाओं को दूर कर अब निर्माण पूरा कर लिया गया है। 25 से 30 नवंबर तक शेष प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। हालांकि टनल के उद्घाटन की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

सहज श्रीवास्तव
कार्यपालनयंत्री

दीपावली की खुशियों पर महंगाई की मार, बिगड़ने लगा त्योहार का बजट

मिठाई से मेवा तक बढ़े दाम

ड्राईफ्रूट के दामों में 25 से 30 प्रतिशत तक उछाल, उपहारों की खरीदारी भी होगी जेब पर भारी





कटनी, यशभारत। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों पर सजावट, मिठाइयों और उपहारों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, लेकिन इस बार त्योहार की मिठास पर महंगाई का असर दिखाई देने लगा है। घरों में बनने वाले पारंपरिक पकवानों से लेकर बाजार की मिठाइयों और रिश्तेदारों को दिए जाने वाले ड्राईफ्रूट के उपहार तक, हर चीज का खर्च बढ़ रहा है। ऐसे में आम परिवारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीमित बजट में त्योहार की खुशियां समेटने की है।दीपावली पर घरों में मेहमानों का आना-जाना, मिठाई बांटना, रिश्तेदारों और परिचितों को उपहार देना परंपरा का हिस्सा है। लेकिन इस बार काजू, बादाम, पिस्ता, किशमिश जैसे सूखे मेवों के बढ़ते दामों ने गिफ्ट पैक का बजट बढ़ा दिया है। वहीं आटा, बेसन, दाल, चावल और घी जैसी रोजमर्रा की खाद्य सामग्री महंगी होने से घर में मिठाई और पकवान तैयार करना भी पहले की तुलना में महंगा पड़ रहा है।

ड्राईफ्रूट के दामों ने बढ़ाई चिंता

त्योहारी खरीदारी में सबसे ज्यादा असर सूखे मेवों की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। बाजार में काजू के दाम 1000 से बढ़कर 1200 रुपये किलो तक पहुंचने की बात सामने आ रही है। बादाम की कीमतें 1000 से बढ़कर 1200 रुपये किलो के आसपास हो गई हैं। पिस्ता 2400 से बढ़कर 2500 रुपये किलो तक बिक रहा है, जबकि किशमिश के दाम भी 460 से बढ़कर 500 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं।ड्राईफ्रूट के बढ़ते दामों का असर मिठाई कारोबार पर भी पड़ रहा है। काजू कतली, काजू रोल, बादाम की मिठाइयां और मेवा युक्त अन्य पकवान तैयार करने में लागत बढ़ गई है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में मिठाइयों की कीमतों पर भी दबाव बढ़ सकता है।

त्योहार के दौरान मेहमानों के स्वागत के लिए मिठाई, नमकीन, फल और अन्य खाद्य सामग्री की व्यवस्था करनी पड़ती है। ऐसे में परिवारों को खरीदारी से पहले खर्च का हिसाब लगाना पड़ रहा है।

घर में मिठाई बनाना भी नहीं रहा सस्ता

पहले त्योहारों पर कई परिवार बाजार से मिठाई खरीदने के बजाय घर में ही लड्डू, नमकीन, मठरी, गुझिया और अन्य पकवान तैयार करना पसंद करते थे। लेकिन अब घरेलू मिठाई बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के दाम भी बजट बिगाड़ रहे हैं। बेसन, आटा, घी, तेल, मेवा और चीनी की खरीदारी का कुल खर्च बढ़ने से घर में मिठाई तैयार करना भी सस्ता विकल्प नहीं रह गया है।

नगर निगम के कम्युनिटी हॉल में कैसे बना दिया अस्थाई स्टोर?

कटनी, यशभारत। नगर निगम के स्टोर में हुई चोरी की घटना ने अब निगम की भंडारण व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और पुराने खरीदी-बिक्री के रिकॉर्ड पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोतवाली थाना परिसर के ठीक पीछे स्थित नगर निगम के कम्युनिटी हॉल की खिड़की तोड़कर अज्ञात चोर नए कंप्यूटर, पीसीओ और इलेक्ट्रिकल सामान ले गए। लेकिन इस वारदात से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि आखिर लाखों रुपये के सामान को सुरक्षित भंडार के बजाय कम्युनिटी हॉल में क्यों रखा गया था? घटना का समय भी कई सवाल खड़े कर रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने पूर्व भंडार प्रभारी से जुड़े एक मामले में जांच के निर्देश दिए थे। इसके लगभग एक सप्ताह के भीतर ही स्टोर में चोरी की घटना सामने आ गई। ऐसे में जांच और चोरी की टाइमिंग को लेकर संदेह व्यक्त किए जा रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि कहीं चोरी की आड़ में पुराने स्टॉक की कमी और पूर्व की अनियमितताओं को छिपाने की कोशिश तो नहीं हो रही? हालांकि, इस संबंध में अभी कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। चोरी वाले स्थान को लेकर भी नगर निगम की कार्यप्रणाली कठघरे में है। जिस कम्युनिटी हॉल में सामान रखा गया था, वह निगम का मुख्य भंडार नहीं है। मुख्य स्टोर अलग होने के बावजूद कम्युनिटी हॉल को अस्थाई भंडार गृह के रूप में इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है।सवाल उठता है कि इसकी अनुमति किस अधिकारी ने दी? महंगे कंप्यूटर और इलेक्ट्रिकल सामान को सुरक्षित एवं स्थाई भंडार में रखने के बजाय अस्थाई स्थान पर क्यों रखा गया? वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए? यह स्थिति सीधे तौर पर निगम की भंडारण और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करती है।

स्टॉक मिलान के बाद खुलेगी असली तस्वीर

फिलहाल नगर निगम द्वारा स्टोर में उपलब्ध अन्य सामान का मिलान कराया जा रहा है। इसके बाद ही चोरी गए सामान की वास्तविक संख्या और कुल कीमत का आधिकारिक खुलासा हो सकेगा।अब जरूरत केवल चोरी की एफआईआर दर्ज कराने तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि पूरे भंडार का भौतिक सत्यापन कराने, पिछले तीन वर्षों की खरीदी और वितरण का ऑडिट करने तथा कम्युनिटी हॉल को स्टोर बनाने की अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की है।

पूरे जिले में बिक रही हैं,मिलावटी खाद्य सामग्री, लगातार कार्यवाही के बावजूद थम नहीं रहा अवैध कारोबार

त्यौहार की मिठास को, कम कर सकते हैं, मिलावट खोर

जिले को जांच प्रयोगशाला की आवश्यकता

नर्मदापुरम (यश भारत)

पूरे जिले में जिला प्रशासन लगातार मिष्ठान भंडारो पर जांच कर रहा हैं, प्रत्येक दिन, संदिग्ध खाद्य सामग्री जांच कर्ताओं के हाथ लग रही, फिर भी इन मिष्ठान भंडारो की गलतियों पर अंकुश नहीं लगा पाई हैं, आखिर माजरा क्या हैं ? बहारी नामों की प्रतिष्ठित दुकानें संदेह के दायरे में आ गई हैं, इन दिनों राजस्थान राज्य का नाम जिले में सुर्खियों मैं छाया हुआ हैं, पूरे जिले में राजस्थान का नाम चर्चा का विषय हैं, नर्मदापुरम जिले में राजस्थान वालो ने नर्मदापुरम के कारीगरों को चुनौती दे रखी हैं, मिष्ठान तो म प्र के भी लोकप्रिय हैं, पर क्या कारण हैं कि राजस्थान राज्य, का नाम मिष्ठान पदार्थो को लेकर, फैलता जा रहा हैं, छोटे से शहर में ही लगभग पांच



दुकानें, जबकि शहर की आबादी 2 लाख भी नहीं हैं, क्या नर्मदापुरम में मिष्ठान सामग्री का टर्न ओवर, करोड़ों में पहुंच गया हैं, जिले कीओर पलायन ? समझ के बाहर हैं7विडंबना यह हैं इतना बड़ा करोबार होने के बाद भी पूरे संभाग में कोई जांच प्रयोग शाला नहीं हैं, नमूने राजधानी भेजे जाते हैं वो कैसे भेजे जाते हैं? कब भेजे जाते हैं? इनकी रिपोर्ट कब आती हैं? यह सब प्रशासनिक कार्यवाही, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं होती, सूत्र बताते हैं यह एक गोपनीय कार्य हैं जो अंदर ही अंदर किया जाता हैं7

शासन की कार्यवाही

दीपावली पर्व के दृष्टिगत जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों, डेयरियों तथा मिठाई विनिर्माण केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में नर्मदापुरम एवं बनखेड़ी में अलग-अलग दलों द्वारा कार्रवाई करते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए गए तथा अनियमितताएं पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की गई।

नगर में जांच

नर्मदापुरम में खाद्य सुरक्षा विभाग के दल ने ग्वालटोली स्थित यादव डेयरी एंड स्वीट से मलाई बर्फी एवं भैंस के दूध के नमूने लिए। अमर चौक स्थित महेश स्वीट्स एंड डेयरी के कारखाने से मावा एवं मावा बर्फी तथा अमर चौक स्थित घंटी वाला डेयरी से पिस्ता बर्फी, बेसन लड्डू, सेव नमकीन एवं खोपरा बर्फी सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

संदिग्ध खाद्य सामग्री

निरीक्षण के दौरान यादव डेयरी एंड स्वीट में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन एवं अस्वच्छता पाए जाने पर मौके पर ही खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया गया। साथ ही 15 लीटर कड़ाई का सोयाबीन तेल एवं 3 किलो संदिग्ध केसर बर्फी नष्ट कराई गई। महेश स्वीट्स के कारखाने में 6 किलो संदिग्ध बूंदी लड्डू एवं मावा बर्फी तथा घंटी वाला डेयरी में 5 किलो संदिग्ध पिस्ता बर्फी भी मौके पर नष्ट कराई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी भोजराज सिंह धाकड़ ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संचालकों को परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा के निर्धारित मानकों एवं नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन के एक अन्य दल द्वारा तहसीलदार श्रीमती अंजू लोधी के नेतृत्व में बनखेड़ी की मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा द्वारा बीकानेर मिष्ठान भंडार से बेसन लड्डू, श्याम स्वीट्स से गुलाब जामुन, कलाकंद एवं मगज लड्डू तथा अग्रवाल स्वीट्स से मिठाई के नमूने एकत्रित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

जांच रिपोर्ट के बाद कार्यवाही

खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। जिला प्रशासन एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में मावा, मिठाई एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच नियमित रूप से जारी रहेगी।

विद्यार्थियों के अनिवार्य होंगे बायोमेट्रिक अपडेट

25 आधार मशीनों से किया जा रहा हैं कार्य

नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत जिले के 13 विद्यालयों में 25 आधार मशीनों के माध्यम से शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बुधवार को कुल 1022 विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक अपडेट दर्ज किया गया। इसी के साथ अब तक कुल 1710 अपडेट हो चुके हैं। अभियान का उद्देश्य जिले के सभी पात्र विद्यार्थियों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट समयसीमा में पूर्ण कराना है। शिविरों के प्रभावी संचालन एवं सतत निगरानी के लिए डीपीसी डॉ. राजेश जायसवाल द्वारा शिक्षा विभाग के बीईओ, बीआरसी एवं जनशिक्षकों की विद्यालयवार ड्यूटी लगाई गई है। वहीं, तकनीकी व्यवस्थाओं के लिए जिला ई-गवर्नेंस मैनेजर श्री संदीप चौरसिया द्वारा सहायक ई-गवर्नेंस प्रबंधक एवं ऑपरेटरों को तैनात किया गया है। अभियान की निगरानी के लिए संबंधित अनुभागों के एसडीएम भी सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रहे हैं। विद्यार्थियों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए यह अभियान 5 नवंबर को भी जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालयों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित शिविरों में बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट कराने में सहयोग करें, ताकि जिले के सभी पात्र विद्यार्थियों का अपडेट समय पर पूर्ण किया जा सके।







पुलिस ने डेढ़ लाख रूपए कीमती 8 किलो 400 ग्राम गांजा किया जब्त

नर्मदापुरम/ इटारसी, यशभारत। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में इटारसी थाना टी आई सौरभ पांडे ओर उनकी टीम ने गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इटारसी नागपुर आउटर के पास एक युवक को हिरासत में लेकर उसके पास रखे बैग की तलाशी ली गई।इस दौरान युवक के बैग से अवैध मादक पदार्थ (गांजा) के पैकेट बरामद किए गए।जिनका वजन करने पर कुल 8 किलो 400 ग्राम किमती लगभग 1,50,000 रूपये का होना पाया गया। जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम राम कुमार ठाकुर पिता सन्नु ठाकुर 35 साल निवासी ग्राम पढरई थाना बनखेडी जिला नर्मदापुरम का होना बताया । उक्त आरोपी रामकुमार से 8 किलो 400 ग्राम गांजा विधिवत जप्त कर मौके की कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं उसके विरुद्ध थाना इटारसी में अपराध क्रमांक 1085/ 2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई ।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 36 वनकर्मियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

अखिल भारतीय बाघ आकलन - 2026



नर्मदापुरम, यशभारत। अखिल भारतीय बाघ आकलन-2026 के अंतर्गत बाघों के अप्रत्यक्ष साक्ष्यों के वैज्ञानिक संकलन एवं मैदानी आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 03 नवंबर 2026 को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना वन परिक्षेत्र अंतर्गत भीमकुंड पर्यटन द्वार स्थित तवा सभागार में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में वनवृत्त बैतूल एवं होशंगाबाद तथा रामपुर-भतौड़ी प्रोजेक्ट, बैतूल के कुल 36 वनकर्मियों ने सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अखिल भारतीय बाघ आकलन की निर्धारित वैज्ञानिक प्रक्रियाओं, बाघों की उपस्थिति से संबंधित अप्रत्यक्ष साक्ष्यों के संकलन, मैदानी स्तर पर साक्ष्यों के व्यवस्थित अभिलेखी करण तथा आंकड़ों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में व्यावहारिक पहलुओं पर विशेष जोर देते हुए मैदानी कार्य के दौरान निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने एवं त्रुटिरहित आंकड़ा संधारण के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन्यजीव विशेषज्ञ कर्मचारी राजेश पटेल (वनपाल), विजय कुमार बामने (वनपाल), अनिल कुमार शाक्य (वनरक्षक) एवं अमित कौरव (वनरक्षक) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।अखिल भारतीय बाघ आकलन देश में बाघों की स्थिति, वितरण एवं संरक्षण संबंधी प्रयासों के वैज्ञानिक मूल्यांकन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इस दिशा में प्रशिक्षित मैदानी अमले की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य बाघ आकलन प्रक्रिया में एकरूपता स्थापित करने, वैज्ञानिक विश्वसनीयता बढ़ाने तथा मैदानी स्तर पर संकलित आंकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

आबकारी टीम की लगातार कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप

9 पेटी अवैध शराब सहित 90 किलो महुआ लाहन जब्त

नर्मदापुरम, यशभारत । कलेक्टर आशीष वशिष्ठ दिशा निर्देशन मे एवं जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में आबकारी टीम के द्वारा लगातार अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी श्रृंखला में आबकारी टीम के द्वारा नसीराबाद में कारवाई कर 9 पेटी देशी मसाला 81 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई । मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा34(1(क),34(2) का प्रकरण कायम किया गया।इसके अतिरिक्त ग्राम आरी, बुधनी, बनखेड़ी मे 10 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा, 90 किलोग्राम महुआ लहान सहित 25 क्वार्टर प्लेन मदिरा बरामद कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा34(1(क) के 4 प्रकरण प्रकरण कायम किए गए सम्पूर्ण कार्यवाही में जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 57,575 रूपये आंकलित की गई है ।उक्त कार्रवाई वृत्त प्रभारी आर. पी अहिरवार सहायक जिला आबकारी अधिकारी, मुख्य आरक्षक राजेश गौर आरक्षक धर्मेंद्र, विकास, सुरेश, माया, रौनक का सराहनीय योगदान रहा।

4 से 8 नवंबर तक मुख्य बाजार में चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर बाजार क्षेत्र में रहेगी विशेष यातायात व्यवस्था

नर्मदापुरम, यशभारत।

धनतेरस एवं दीपावली पर्व के अवसर पर शहर के बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस एवं यातायात पुलिस द्वारा सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित करने के लिए विशेष यातायात व्यवस्था लागू की जा रही है।इसी क्रम में दिनांक 4 नवंबर से 8 नवंबर तक मुख्य बाजार क्षेत्र में चारपहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। बाजार क्षेत्र के कुछ प्रमुख मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित करने के साथ ही आवश्यकतानुसार एकांगी मार्ग व्यवस्था भी लागू रहेगी।मोरछली से सराफा चौक तकः इस मार्ग पर चारपहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। दोपहिया वाहन केवल सराफा चौक से मोरछली की ओर जा सकेंगे। सतरस्ता से



हलवाई चौक मार्ग पर चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।हलवाई चौक से सराफा मार्ग पर भी चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।अस्पताल चौक से इंदिरा चौक मार्ग पर चारपहिया वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।बाजार क्षेत्र में यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार भ्रमण करेंगी। दोपहिया वाहनों को सड़क किनारे निर्धारित स्थानों अथवा पार्किंग स्थलों पर व्यवस्थित रूप से खड़ा कराया जाएगा।



अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, यशभारत। अंतर्राष्ट्रीय बायो स्फीयर रिजर्व दिवस के अवसर पर पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र में प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण, स्थानीय जैव विविधता के संवर्धन तथा पर्यटन स्थलों को स्वच्छ एवं पॉलीथिन मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस अवसर पर पचमढ़ी के प्रमुख पर्यटन स्थल धूपगढ़ में आयोजित विशेष जागरूकता अभियान में लगभग 80 पर्यटकों एवं टूरिस्ट गाइडों ने सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व के पारिस्थितिक महत्व, विशिष्ट प्राकृतिक विरासत एवं समृद्ध जैव विविधता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पर्यटन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने, पॉलीथिन एवं प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने की शपथ दिलाई गई।इसी क्रम में युवा पीढ़ी को प्रकृति एवं पर्यावरण से जोड़ने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर, मटकुली के 114 छात्र-छात्राओं के लिए प्रकृति पथशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को वनक्षेत्र में पैदल भ्रमण कराया गया तथा वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व के वनों, स्थानीय वनस्पतियों, वन्यजीवों एवं पारिस्थितिक तंत्र के महत्व से अवगत कराया गया।

एसडीएम के मार्गदर्शन में सांडिया में खाद्य विभाग टीम की कार्रवाई

34 गैस सिलेंडर सहित 319 उपभोक्ता डायरी जब्त

नर्मदापुरम/पिपरिया, यशभारत। एसडीएम आकिप खान के निर्देशन में सहायक आपूर्ति अधिकारी द्वारा पुलिस बल के साथ ग्राम सांडिया तहसील पिपरिया में स्थित रामगोपाल चौधरी पिता पतिराम चौधरी के घर पर अवैध गैस सिलेंडर रखे होने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की ।इस दौरान घरेलू गैस सिलेंडर 20 भरे एवं 14 खाली कुल 34 सिलेंडर जप्त किये गए । बताया गया कि साथ ही घर से 319 उपभोक्ता गैस डायरी भी जप्त की गई है रामगोपाल द्वारा अनाधिकृत रूप से घर मे गैस सिलेंडर एवं उपभोक्ता डायरी संग्रहित कर रखी गई थी ।मौके पर विस्फोटक अनुज्ञप्ति अथवा वैध दस्तावेज नही मिले। उक्त अनियमितता के फलस्वरूप प्रकरण दर्ज किया गया। जिसे कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही जप्त गैस डायरी के उपभोक्ताओं का गैस कनेक्शन निरस्त करने हेतु



संबंधित आयल कंपनी को लिखा जाएगा।कार्यवाही में सहायक आपूर्ति अधिकारी मनोज शुक्ला, हेड कांस्टेबल राधेश्याम बरकड़े एवं कर्मचारी मनोज मंडराई की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

अपना लक्ष्य बनाकर अपनी पढ़ाई कर अपना भविष्य बनाये : न्यायाधीश सुश्री सरोज डेहरिया

नर्मदापुरम/सिवनीमालवा, यशभारत। इंसान का जीवन बहूमूल्य है। इसमे बचपन बहुत महत्वपूर्ण है। बचपन मे सीखी बाते सारी जिंदगी काम आती है। आप सभी पढ़ाई कर रहे है आप अपना लक्ष्य बनाकर पढ़ाई करके अपना भविष्य बनाये। उक्त बात न्यायिक दंडाधकारी प्रथम श्रेणी सुश्री सरोज डेहरिया ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बी-जमानी में 'सुरक्षित बचपन अभियान' अंतर्गत आयोजित विधिक साक्षरता -जागरूकता शिविर मे कही। शिविर में न्यायाधीश सुश्री डेहरिया ने कहा कि जो भी व्यक्ति बच्चों से बाल श्रम कराता है। वह अपराध का भागी होता है। इसी तरह बाल विवाह करना भी अपराध होता है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को गुड़ टच बेड टच की जानकारी होना अनिवार्य है। आपके साथ यदि ऐसा होता है तो उसकी जानकारी अपने शिक्षकों और अभिभावकों को आवश्यक रूप से दे। कानून बच्चो को संरक्षण प्रदान करता है। कानून सभी के लिए बराबर है।



उसमे बच्चों को भी अधिकार प्राप्त है। उन्होंने बताया कि निःशुल्क कानूनी सहायता के लिए किसी भी परेशानी के लिए आप नं. 15100, एवं चाईल्ड हेल्पलाईन नं. 1098 पर काल करके जानकारी दे सकते है । उन्होंने बताया कि बचपन मे सीखी गयी सभी बाते सारी जिंदगी याद रहती है। इसलिए आपको सजग रहने की आवश्यकता है। इसके लिए कानून की जानकारी होना जरूरी है। इसके लिए आपको हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी होना चाहिए।

मालगाड़ी के लोको पायलट की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत

ताकू रेलवे स्टेशन की घटना

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। बुधवार दोपहर इटारसी रेलवे जंक्शन के अंतर्गत आने वाले ताकू रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसे में मालगाड़ी के लोको पायलट की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बैतूल निवासी विश्वनाथ बागद्रे 52 वर्ष पिता रामाजी बागद्रे के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार लोको पायलट विश्वनाथ बगदरे आमला से मालगाड़ी लेकर इटारसी आ रहे थे। ताकू रेलवे स्टेशन पर सिग्नल नहीं मिलने के कारण उनकी मालगाड़ी को प्लेटफार्म नंबर-1 के पास रोकना पड़ा था।गाड़ी रोकने के बाद वे ट्रेन से उतरकर ट्रैक के पास खड़े हुए थे। इसी दौरान दूसरी ट्रैक से गुजर रही एक अन्य ट्रेन की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस को अवगत कराया गया, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर आगे की जांच और कार्रवाई में जुट गई है।

दो राउंड की बैठकों के बाद बनी सहमति, स्थाई हल का इंतजार

बस स्टैंड के मुद्दे पर दिनभर चला मान-मनौव्वल का दौर

इटारसी(यश भारत)

पुराने बस स्टैंड पर बसों के ठहराव के मुद्दे को लेकर मंगलवार को दिनभर प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच मान-मनौव्वल का दौर चलता रहा। दो दौर की हाई लेवल बैठकों के बाद आखिरकार मामले में सहमति बन सकी और जल सत्याग्रह का निर्णय टल गया।

पहली बैठक में शर्तें मानने से किया इंकार-सुबह करीब 11 बजे एसडीएम कार्यालय में बस ऑपरेटर , कांग्रेस नेता अधिवक्ता के प्रतिनिधि मंडल और प्रशासन के बीच पहली बैठक हुई। बैठक में एसडीएम नीलेश शर्मा, थाना प्रभारी सौरभ पांडे और एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से बसों के संचालन को लेकर कुछ शर्तें रखी गईं, लेकिन बस ऑपरेटरों और कांग्रेस नेताओं ने उन शर्तों को मानने से साफ इंकार कर दिया। इसके बाद बैठक बेनतीजा खत्म हो गई। कांग्रेस नेता रमेश साहू के कहना था कि प्रशासन अपनी मर्जी हम पर थोप रहा था इसलिए बैठक बेनतीजा रही। बैठक विफल होने के बाद कांग्रेस नेता गज्जू तिवारी अपने समर्थकों के साथ पुराने बस स्टैंड के मुद्दे पर जल सत्याग्रह करने के लिए नर्मदापुरम के लिए रवाना हो गए थे।

कलेक्टर-एस पी का हस्तक्षेप से बनी सहमति-मामले की गंभीरता को देखते हुए नर्मदापुरम में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने आंदोलनकारी नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया। कलेक्टर कार्यालय में हुई दूसरी बैठक में



कलेक्टर ने पुराने बस स्टैंड के मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने और यात्रियों व व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखकर हल निकालने का आश्वासन दिया। कलेक्टर के आश्वासन के बाद कांग्रेस नेता गज्जू तिवारी ने जल सत्याग्रह के निर्णय को त्याग दिया। प्रशासन ने भी कहा है कि जल्द ही सभी पक्षों को बैठाकर स्थाई समाधान निकाला जाएगा। सहमति बनने के बाद जल सत्याग्रह फिलहाल टल गया।

सुझावों के आधार पर तैयार होगी कार्ययोजना,-इटारसी नगर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने तथा यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवनिर्मित नवीन बस स्टैंड से बसों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं व्यापारी संघों एवं बस ऑपरेटरों के पदाधिकारियों को आमंत्रित कर बैठक आयोजित की गई जिसमे आवश्यक सुविधाओं के विस्तार और बस संचालन की व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि इटारसी में नवीन बस स्टैंड का निर्माण यात्रियों की सुविधा एवं शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से किया गया है। हालांकि, नवीन बस स्टैंड तैयार होने के बावजूद यहां से बसों का संचालन प्रारंभ नहीं हो पाया था। इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, बस संचालकों, व्यापारी संगठनों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से समन्वय कर बस संचालन प्रारंभ करने की पहल की जा रही है। प्रशासन द्वारा निर्देशित किया गया है कि सभी बस संचालक नवीन बस स्टैंड से ही बसों का संचालन सुनिश्चित करें। साथ ही शहर में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा के किराया निर्धारण, सिटी बस जैसी परिवहन सुविधा के संबंध में भी आवश्यक निर्णय लिया जाएगा, जिससे यात्रियों को निर्धारित एवं उचित दरों पर परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। प्रशासन द्वारा आगामी कार्य दिवसों में संबंधित पक्षों के साथ एक अन्य बैठक आयोजित कर बस संचालन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए चर्चा की जाएगी।

सब-जूनियर जिला जूडो दल का गठन इंदौर में करेंगे जबलपुर का प्रतिनिधित्व



जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जूडो एसोसिएशन के निर्देशन में इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाली आगामी सब-जूनियर राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता (दिनांक 22 से 24 नवंबर 2026) के लिए जबलपुर जिला सब-जूनियर बालक एवं बालिका जूडो दल का गठन सफलतापूर्वक किया गया।जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 नवंबर 2026 को आयोजित चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न भार वर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जिला टीम में शामिल किया गया है। यह चयनित खिलाड़ी अब इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जबलपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी 12 से 16 दिसंबर 2026 तक लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में होने वाली राष्ट्रीय सब-जूनियर जूडो प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य दल का हिस्सा बनेंगे।

लोक बहादुर को एशियन हॉकी चैंपियनशिप में हॉकी इंडिया का आमंत्रण



जबलपुर, यशभारत। हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव लोक बहादुर को हॉकी इंडिया द्वारा सीनियर पुरुष एशियन हॉकी चैंपियनशिप में आमंत्रित किया गया। इस दौरान उन्होंने भारत और कोरिया की हॉकी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव को आमंत्रित किया जाना प्रदेश में हॉकी गतिविधियों और खेल संगठन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। लोक बहादुर की भारतीय एवं कोरियाई टीम से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों और टीम सदस्यों से खेल को लेकर चर्चा भी हुई।

एडवोकेट प्रीमियर लीग में रॉयल सनराइज और एक्का ने दर्ज की जीत



जबलपुर, यशभारत। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर द्वारा आयोजित 17वीं एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के पहले मैच में टीम एवेंजर और रॉयल सनराइज के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें रॉयल सनराइज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। मैच में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मुकाबले में टीम एक्का और नवरंग के बीच भिड़ंत हुई। इस मैच में टीम एक्का ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की। शानदार प्रदर्शन के लिए एडवोकेट कार्तिक शुक्ला को मैन ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष सुनीता गुप्ता, सह सचिव शैलेन्द्र यादव, पुस्तकालय सचिव रविन्द्र दत्त तथा कार्यकारिणी सदस्य रीता नोटियाल, अमित आचार्य, धीरज खुल्लर, बाबा परसाई, अमित कोहली, विकास कुमार संटू, शशि तिवारी, संजय यादव, अरुण मिश्रा, तरुण रोहितास, नईम खान, मोहित अग्रवाल, शाहरुख और रजनीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा बवाल, एक गोल के बाद मैदान बना जंग का अखाड़ा,रेफरी ने दिखाए 51 रेड कार्ड, मैच रद्द

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील में अंडर-20 फुटबॉल मुकाबले के दौरान खेल भावना को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। उबरलांडिया और मामोरे के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले में एक गोल के बाद ऐसा विवाद भड़का कि पूरा मैदान मारपीट के अखाड़े में तब्दील हो गया। खिलाड़ियों के साथ कोचिंग स्टाफ, टीम अधिकारियों और बॉल बॉय तक ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि मुकाबला बीच में ही रद्द करना पड़ा। रेफरी ने हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 51 रेड कार्ड दिखाए। इसे फुटबॉल इतिहास में एक मैच के दौरान सबसे ज्यादा रेड कार्ड दिखाए जाने की घटना बताया जा रहा है।

यह हैरान करने वाली घटना ब्राजील के मिनास गैरैस राज्य में अंडर-20 कैम्पियोनाटो मिनेइरो (सेकंड डिवीजन) के सेमीफाइनल मुकाबले में हुई। एस्टाडियो पारके डो साबिया में उबरलांडिया और मामोरे की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबले के दूसरे हाफ में 54वें मिनट पर मामोरे ने गोल दागकर अपनी बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद मैदान पर तनाव शुरू हुआ और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया।

गोल के बाद विपक्षी टीम को चिढ़ाना पड़ा भारी

रेफरी फर्नांडो पैट्रिक ड्रोसघिक मोडेस्टो की आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, मामोरे के फॉरवर्ड डावी ने गोल करने के बाद विपक्षी टीम के बेंच की ओर दौड़ लगाई और वहां मौजूद स्थानापन्न खिलाड़ियों तथा स्टाफ को चिढ़ाया। इस हरकत से उबरलांडिया के खेमे में नाराजगी फैल गई। इसी दौरान टीम के गोलकीपिंग कोच पाउलो सर्जियो डायस डॉस सैंटोस मैदान में घुस आए और डावी से भिड़ गए। दोनों के बीच शुरू हुई कहासुनी जल्द ही हाथापाई में बदल गई। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी भी झड़प में कूद पड़े।विवाद बढ़ने पर दोनों टीमों के स्थानापन्न खिलाड़ी, तकनीकी स्टाफ और अधिकारी भी मैदान में पहुंच गए। रेफरी की रिपोर्ट में छह बॉल बॉय के भी हिंसा में शामिल होने का उल्लेख है। आरोप है कि उन्होंने मामोरे के सदस्यों पर सामान, कुर्सियों और स्ट्रेचर से हमला किया। स्टेडियम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थिति नियंत्रित करने के लिए स्थानीय सैन्य पुलिस को बुलाना पड़ा।



घटना के बाद दोनों टीमों के खेमों की ओर से तोड़फोड़ के आरोप भी सामने आए। बताया गया कि उबरलांडिया के अधिकारियों ने मामोरे के सदस्यों के उपकरणों को नुकसान पहुंचाया, जबकि मामोरे के सदस्यों पर घरेलू टीम के ड्रेसिंग रूम में तोड़फोड़ करने का आरोप लगा। हिंसा और सुरक्षा व्यवस्था बिगड़ने के कारण मैच को आगे जारी रखना संभव नहीं हो सका और मुकाबला रद्द कर दिया गया।

36 रेड कार्ड का पुराना रिकॉर्ड भी टूटा

इस मुकाबले में रेड कार्ड की संख्या ने फुटबॉल जगत को चौंका दिया। हिंसा शुरू होने से पहले ही तीन खिलाड़ियों को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर किया जा चुका था। इसके बाद रेफरी ने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में झड़प में शामिल 48 अन्य लोगों को भी रेड कार्ड दिया। इस तरह कुल 51 रेड कार्ड जारी किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें 43 खिलाड़ी, आठ सपोर्ट स्टाफ सदस्य और दो बोर्ड अधिकारी शामिल थे।इससे पहले एक फुटबॉल मैच में सबसे ज्यादा रेड कार्ड दिखाए जाने का रिकॉर्ड अर्जेंटीना के क्लब क्लेपोल और विक्टोरियानो एरेनास के नाम था। वर्ष 2011 में पांचवें डिवीजन के मुकाबले के दौरान रेफरी ने कुल 36 रेड कार्ड दिखाए थे। ब्राजील के इस मुकाबले में 51 रेड कार्ड जारी होने के साथ ही पुराना रिकॉर्ड काफी पीछे छूट गया। फुटबॉल के मैदान पर अनुशासन और खेल भावना की मिसाल पेश करने के बजाय हुई इस हिंसक घटना ने खेल जगत में खिलाड़ियों और अधिकारियों के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

38 साल के हुए विराट कोहली, क्रिकेट जगत ने दी बधाई

रैना बोले- एक बार किंग, हमेशा किंग; रवि शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में कहा- 38 के हो रहे हो,

मुंबई, यशभारत। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली गुरुवार को 38 साल के हो गए। उनके जन्मदिन पर क्रिकेट जगत से बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में उन्हें शुभकामनाएं दीं। दोनों ने विराट के शानदार क्रिकेट करियर, खेल के प्रति जुनून और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना की।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें किंग बताया। रैना ने लिखा कि उनकी शानदार कवर ड्राइव और यादगार रन चेज ने क्रिकेट प्रशंसकों को कई अविस्मरणीय पल दिए हैं। खेल के प्रति उनका जुनून, मुश्किल परिस्थितियों में संघर्ष करने का जज्बा और जीतने की भूख ही उन्हें दूसरे खिलाड़ियों से अलग बनाती है। रैना ने कहा कि विराट को बल्लेबाजी करते देखना हमेशा खुशी का अनुभव रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विराट इसी तरह लोगों को प्रेरित करते रहेंगे और भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित करेंगे। अपने संदेश के अंत में रैना ने लिखा, %एक बार किंग, हमेशा किंग।



वहीं, पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में विराट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विराट की बल्लेबाजी करते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा कि जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई चैंपियन। 37वें साल के आखिरी दिनों में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हो। इसी तरह अपना खेल जारी रखो। शास्त्री ने अपने संदेश में मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह 38 साल के हो रहे हैं, लेकिन दिखने में 36 के लगते हैं। उनके इस संदेश ने प्रशंसकों का ध्यान खींचा।

विराट कोहली ने अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में बल्लेबाजी के कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं। टेस्ट, वनडे और टी-20 क्रिकेट में उन्होंने अपनी निरंतरता, तकनीक और आक्रामक खेल से अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से वनडे क्रिकेट में उनके शतकों और लक्ष्य का पीछा करते हुए खेली गई यादगार पारियों ने उन्हें दुनिया के महान बल्लेबाजों की कतार में खड़ा किया है।विराट का जन्मदिन ऐसे समय आया है, जब वह मैदान पर भी शानदार लय में नजर आ रहे हैं। बुधवार को ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 74 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि उम्र के इस पड़ाव पर भी रनों की भूख और बड़े मुकाबलों में योगदान देने का उनका जज्बा बरकरार है। यही वजह है कि क्रिकेट प्रशंसकों के बीच विराट कोहली का कद आज भी उतना ही बड़ा है।

सेंट एलॉयसिस सदर का गोलों से धमाका



VND फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में

जबलपुर, यशभारत। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड सदर में खेली जा रही VND फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में बुधवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में सेंट एलॉयसिस स्कूल सदर ने गोयनका स्कूल को 9-1 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे मुकाबले में सेंट थॉमस स्कूल ने सत्य प्रकाश स्कूल को 8-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।पहले मुकाबले में सेंट एलॉयसिस सदर ने शुरुआत से ही आ ामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने मैच के पांचवें मिनट में पहला गोल दागकर बढ़त बनाई। इसके बाद 15वें और 20वें मिनट में लगातार दो गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। गोयनका स्कूल ने 22वें मिनट में गोल कर वापसी की कोशिश की और स्कोर 3-1 किया, लेकिन सेंट एलॉयसिस के खिलाड़ियों ने दबाव बनाए रखा। 30वें मिनट में एक और गोल के साथ मध्यांतर तक टीम 4-1 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी सेंट एलॉयसिस का आ ामक प्रदर्शन जारी रहा। टीम ने 40वें, 45वें, 50वें, 60वें और 70वें मिनट में लगातार पांच गोल दागकर स्कोर 9-1 पहुंचा दिया। इस तरह सेंट एलॉयसिस सदर ने एकतरफा मुकाबले में 9-1 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। दिन का दूसरा मुकाबला सत्य प्रकाश स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल के बीच खेला गया। इस मैच में सेंट थॉमस ने शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। टीम ने पांचवें मिनट में पहला गोल किया, जबकि 12वें और 15वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद 35वें मिनट में चौथा गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में सत्य प्रकाश स्कूल ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन सेंट थॉमस की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर सेंट थॉमस ने 50वें, 55वें, 60वें और 65वें मिनट में चार और गोल कर स्कोर 8-0 कर दिया। निर्धारित समय समाप्त होने पर सेंट थॉमस स्कूल ने 8-0 से शानदार जीत दर्ज की।

रंग संसार



अभिनेत्री कनिका मान ने बताई पूर्व प्रेमी की हैवानियत भरी कहानी

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कनिका मान ने हाल ही में अपने जीवन के एक दर्दनाक अध्याय को साझा करते हुए अपने पहले रिश्ते के भयावह अनुभवों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह उनका पूर्व प्रेमी उनके साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बुरा बर्ताव करता था, जिसने उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया था। इस आपबीती ने उन कई महिलाओं की कहानी को सामने लाया है, जो ऐसे रिश्तों में फंसकर हिंसा का शिकार होती हैं। कनिका ने बताया कि कॉलेज के दिनों में जब उनका पहला बॉयफ्रेंड बना, तो वह मानसिक रूप से अस्थिर था और बेहद बुरा बर्ताव करता था। कनिका ने एक डरावनी घटना साझा की, जब उनके पूर्व प्रेमी ने बिना बताए उनकी क्लास में आकर उन्हें केवल धारीदार सूट पहनने की वजह से पूरे कॉरिडोर के सामने इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनके कानों से खून बहने लगा। उस समय उनके कानों में हाल ही में छेद करवाए गए थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया, जिसने उन्हें और भी अकेला महसूस कराया। यह केवल एक घटना नहीं थी। कनिका ने बताया कि उनका पूर्व प्रेमी उनके हर कदम पर नजर रखता था, उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश करता था और उनका फोन छीनकर भीड़ में फेंक देता था। एक बार उसने उनके हॉस्टल के कमरे की चाबियां भी फेंक दी थीं, जिससे वह मुश्किल में पड़ गई।

कृति सेनन ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण को दी अपनी आवाज

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कृति सेनन एक बार फिर अपने एक खास प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बार उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म, ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण के लिए अपनी आवाज दी है, जिसके लिए वह बेहद उत्साहित हैं। कृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डबिंग सेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके साथ फिल्म भेड़िया के निर्देशक अमर कौशिक और उनके को-स्टार वरुण धवन भी नजर आए। इस तिकड़ी की मुलाकात ने फैंस को उनकी पुरानी ऑनस्क्रीन जोड़ी और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री की याद दिला दी।



कृति ने अपने पोस्ट में बताया कि ऑब्सेशन जैसी शानदार फिल्म की सशक्त परफॉर्मेंस को हिंदी में अपनी आवाज देना उनके लिए एक अनूठा और बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने विशेष रूप से फिल्म में इंडेना नवरेटे के अभिनय की जमकर तारीफ की। कृति ने कहा कि डबिंग के दौरान इंडेना की परफॉर्मेंस को देखकर उनके एक बार फिर रोंगटे खड़े हो गए। अभिनेत्री के मुताबिक, यह एक बेहद शानदार फिल्म है जिसमें सभी कलाकारों ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट का एक छोटा-सा हिस्सा बनने पर अपनी खुशी भी व्यक्त की, जो उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव जोड़ता है। डबिंग स्टूडियो में वरुण धवन और अमर कौशिक के साथ उनकी मुलाकात भी उनके पोस्ट का एक अहम हिस्सा बनी। कृति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि जब वुल्फपैक को किसी चीज का जुनून चढ़ जाए, तो कुछ ऐसा ही होता है। यह टिप्पणी उनकी हिट फिल्म भेड़िया के संदर्भ में थी, जहां तीनों ने साथ काम किया था। कृति ने दोनों के साथ दोबारा मिलना और काम के सिलसिले में एक साथ समय बिताना यादगार बताया और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। यह मुलाकात उनके प्रशंसकों के लिए भी एक ट्रीट थी, जो उन्हें फिर से एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। ऑब्सेशन के हिंदी वर्जन के दो प्रमोशनल वीडियो भी कृति की आवाज में जारी किए जा चुके हैं।





किंग के नए गाने में सुहाना खान की पहली झलक को लेकर अटकलें

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का नया गाना तू मिल जाए जारी किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, इस गाने के साथ एक और बात सुर्खियों में आ गई है। कई फैंस यह दावा कर रहे हैं कि उन्हें इस गाने में शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान की भी एक झलक देखने को मिली है। इस कथित झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है और लोग फिल्म में उनके किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह खास सीन गाने के लगभग दो मिनट बाद आता है, जो देखने में एक एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें एक लड़की आग की लपटों से घिरे एक घर की तरफ देखती हुई नजर आती है। हालांकि, लड़की का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, लेकिन फैंस का मानना है कि यह सुहाना खान ही हैं, जिन्होंने शायद फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस छोटी सी झलक ने दर्शकों के बीच कई तरह की अटकलें पैदा कर दी हैं। एक फैन ने कमेंट किया, सुहाना खान? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि किंग के नए गाने में ये सुहाना खान ही हैं। कुछ ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किए, जैसे क्या सुहाना खान किसी चीज का सिर पकड़े हुए हैं?

अमिताभ बच्चन ने गलत खबर पर मीडिया को लताड़ा

मुंबई (यशभारत)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में मीडिया में छपी एक खबर को लेकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए गलत संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, सदी के महानायक ने इसके लिए मीडिया को कड़ी चेतावनी भी दी है। दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक भावुक संदेश और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर प्रस्तुत किया है।



अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के प्रति एक प्रार्थना थी और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा थे, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है और इसे धर्म का निरादर भी बताया है। अपनी पोस्ट में, अमिताभ ने मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया, जिसमें उनके शब्दों को गलत तरीके से चुनौती के रूप में पेश किया गया था। उन्होंने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, ले आओ हाथी घोड़ा हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं ! एक तो घोर निंदा एक जय श्री कृष्ण के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है।

अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके पांच करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं और अगर उन्हें केवल एक इशारा भी मिल जाए तो उनमें से दस प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे, जिससे स्थिति भारी पड़ सकती है। मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी सार्वजनिक हस्ती से गलती होती है, तो वे तुरंत माफी मांग लेते हैं और सुधार करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।

पटाखा बाजारों में दमकल तैनात, प्रमुख मार्गों पर रहेगा डायवर्जन

दीपावली पर भोपाल में सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम

भोपाल, यशभारत।

राजधानी में धनतेरस और दीपावली के त्योहारी सीजन को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो गए हैं। पांच दिनों तक चलने वाले इस दीपोत्सव के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भारी भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। न्यू मार्केट में हाल ही में हुई आग की घटना से सबक लेते हुए इस बार अग्निशमन अमले को विशेष रूप से अलर्ट मोड पर रखा गया है।

हर पटाखा मार्केट में दमकल और 400 कर्मचारियों की ड्यूटी

त्योहार पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए नगर निगम के फायर अमले ने व्यापक तैयारी की है:

दमकल और पानी के टैंकर: शहर के 11 प्रमुख स्टेशनों (फतेहगढ़, जिंसी चौराहा, कोलार, होशंगाबाद रोड, रायसेन रोड और करोंद आदि) पर 30 दमकल वाहन और पानी से भरे 22 टैंकर हर वक्त तैयार रखे गए हैं।

पटाखा बाजारों में तैनाती: एहतियात के तौर पर हर पटाखा मार्केट में एक दमकल वाहन की स्थायी तैनाती की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

कर्मचारियों की तैनाती: दीवाली की रात सुरक्षा और



निगरानी के लिए लगभग 400 कर्मचारियों की डबल शिफ्ट में विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

संकरी गलियों के लिए छोटी गाड़ियां: पुराने शहर के संकरे बाजारों और रिहायशी इलाकों में बड़े फायर व्हीकल के समय पर न पहुंच पाने की समस्या के समाधान के लिए छोटे दमकल वाहनों को अंदरूनी इलाकों में तैनात किया गया है।

प्रमुख बाजारों में ट्रैफिक डायवर्जन और वन-वे व्यवस्था त्योहार पर सुगम यातायात बनाए रखने और जाम से निजात पाने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया है:

10 नंबर मार्केट में वन-वे: 4 से 9 नवंबर तक जरूरत के अनुसार वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावी रहेगी। वाहन वंदे मातरम चौराहे से प्रवेश कर मार्केट तिराहे से नेशनल अस्पताल की ओर जा सकेंगे। इसके विपरीत, नेशनल अस्पताल से 10 नंबर मार्केट और वंदे मातरम चौराहे की तरफ वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

न्यू मार्केट का डायवर्जन: यातायात का दबाव बढ़ने पर रंगमहल चौराहे से थाना चौराहे और टीटी क्रॉस तिराहे से आने वाले वाहनों को मटका चौराहा व स्पोर्ट मार्ट की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

सामान की लोडिंग-अनलोडिंग का समय: व्यापारियों से अपील की गई है कि वे दुकानों में सामान लाने और ले जाने का कार्य केवल रात 12:00 से सुबह 7:00 बजे के बीच ही करें, ताकि दिन में खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों को असुविधा न हो।

वाहन पार्किंग के लिए बनाए गए 5 नए जोन

पुराने शहर और प्रमुख बाजारों में आने वाले लोगों के लिए वाहन खड़े करने हेतु विशेष पार्किंग स्थल तय किए गए हैं:

पुराने शहर के लिए 5 पार्किंग स्थल: बाल विहार ग्राउंड भोपाल टॉकीज चौराहे के पास, मोती मस्जिद के सामने नगर निगम मल्टीलेवल पार्किंग, कोतवाली थाने के दाईं ओर, भवानी चौक और मोती मस्जिद के बीच, तथा भारत टॉकीज के पास सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान।

अन्य प्रमुख बाजार

10 नंबर मार्केट: बिट्टन मार्केट, नगर निगम पार्किंग और मनोहर डेयरी के पास।

न्यू मार्केट: टीटी नगर थाना चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग।

एमपी नगर: जोन-1 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग व अन्य निर्धारित स्थल।

बैरागढ़: पंचानन चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग।



दिनदहाड़े सड़कों पर लाठी-डंडे और धारदार हथियार लहराते बदमाश

सरेआम गालियों की बौछार और घर में घुसकर खुली गुंडागर्दी!

भोपाल, यश भारत।

राजधानी भोपाल के टीलाजमालपुरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत दहशतगर्दी का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने कानून के खौफ पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीड़ित मोहम्मद जैद ने टीलाजमालपुरा थाने में नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में दर्ज शिकायत के मुताबिक, सोमवार दोपहर करीब साढ़े चार बजे अरशद बब्बा और उसका साथी अरबाज उर्फ बिहारी जबरन उसके घर में घुस आए। आरोप है कि आरोपियों ने अड़ीबाजी करते हुए डीजे लाइट के काम की कमाई में से 10 हजार रुपये खर्च के नाम पर मांगे। फरियादी ने जब अपनी मेहनत की कमाई देने से मना किया, तो आरोपियों ने घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी, अलमारी का कांच तोड़ दिया और फरियादी को लात-घूंसों से पीटते हुए घर से बाहर घसीटने लगे।

बीच-बचाव करने आई फरियादी की पत्नी असमा को भी धक्का देकर गिरा दिया गया, जिससे उसे चोटें आईं। आरोप है कि अरबाज ने छुरी लहराकर हमला किया और थाने जाने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी सरेआम गाली-गलौज करते और हथियार लहराते नजर आ रहे हैं। अरशद बब्बा पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं पुराना आपराधिक रिकॉर्ड होने के बावजूद ऐसे अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद हैं।

शिकायत मिलते ही टीलाजमालपुरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नए कानून के तहत गंभीर धाराओं में नामजद अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दी है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहां है कि वीडियो संज्ञान में है वीडियो की जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी

रायपुर के रास्ते शहर में लाते थे गांजा, करीब 4 किलो मादक पदार्थ, स्कूटी और 41 हजार रुपए नकद जब्त

भोपाल में गांजा तस्करी का बड़ा खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल,यश भारत।

राजधानी में गांजा तस्करी के खिलाफ गौतम नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 4 किलो गांजा, एक स्कूटी और 41 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी रायपुर के रास्ते बड़ी मात्रा में गांजा भोपाल लाते थे और शहर में पुड़िया बनाकर बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे। पुलिस के मुताबिक पहली कार्रवाई नारियलखेड़ा स्थित नगर निगम कॉलोनी में की गई। यहां घर के सामने गांजे की पुड़िया बेच रहे 55 वर्षीय मनोज संकत को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कमरे की तलाशी लेने पर



पुलिस को 1 किलो 800 ग्राम गांजा और चार पुड़ियां मिलीं। वहीं, दूसरी कार्रवाई न्यू आरिफ नगर बस स्टैंड के पास की गई। यहां स्कूटी से गांजा लेकर जा रहे दो युवकों को पुलिस ने पकड़ा। उनकी पहचान शिवा उर्फ शिवांशु संकत और शिवम महेश्कर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 1 किलो 903 ग्राम गांजा स्कूटी और 41 हजार रुपए नकद जब्त किए गए।

रायपुर से भोपाल तक फैला था नेटवर्क

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे रायपुर के रास्ते गांजा भोपाल लाते थे और यहां अलग-अलग जगहों पर बेचते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और गांजे की सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 और 29 के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शाहजहांनाबाद इलाके में घर के बाहर खड़ी गाड़ी बाइक को बदमाशों ने फूंका

भोपाल,यशभारत। राजधानी के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल में आग लगा दी। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है। कलेक्टर कार्यालय के पीछे रहने वाले राहुल कनाडे बीती रात अपने काम से घर लौटे थे। उन्होंने रोज की तरह अपनी बाइक को घर के बाहर ही खड़ा किया था। देर रात जब अचानक गाड़ी में आग सुलगती हुई देखी, तो आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दौड़कर आग बुझाने और गाड़ी को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि वे बाइक को नहीं बचा सके। देखते ही देखते यह पूरी मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए अज्ञात बदमाशों की तलाश में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस घटना के पीछे रंजिश है या बदमाशों की कोई अन्य करतूत।

भोपाल में बस से पकड़ा गया नशे का बड़ा खेप! युवक के बैग से एक किलो चरस बरामद

गोविंदपुरा पुलिस और एनसीबी की संयुक्त कार्रवाई



भोपाल,यश भारत।

राजधानी भोपाल में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ गोविंदपुरा पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने गोविंदपुरा थाना क्षेत्र में बस से सफर कर रहे एक युवक को करीब एक किलो चरस के साथ पकड़ा है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार आरोपी युवक दिल्ली से बस में सवार हुआ था और हैदराबाद जा रहा था। इसी दौरान गोविंदपुरा थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान संयुक्त टीम को युवक की गतिविधियों पर संदेह हुआ। तलाशी लेने पर उसके बैग से करीब एक किलो चरस बरामद हुई। युवक ने मादक पदार्थ को बैग में छिपाकर रखा था।

एनसीबी को सौंपा युवक, पूछताछ जारी

कार्रवाई के बाद युवक को आगे की वैधानिक कार्रवाई और पूछताछ के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के सुपुर्द कर दिया गया है। जांच एजेंसी युवक से पूछताछ कर रही है। अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह चरस कहां से लेकर आया था और इसे हैदराबाद में किसे पहुंचाया जाना था। साथ ही इस तस्करी के पीछे किसी बड़े नेटवर्क की भूमिका होने की भी जांच की जा रही है। गोविंदपुरा पुलिस और एनसीबी की इस संयुक्त कार्रवाई को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।



एसआईआर पर कांग्रेस को घेरा

हेमंत खंडेलवाल-बोले मतदाता सूची में विदेशी नागरिकों के नाम नहीं होने चाहिए, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाना गलत

भोपाल यश भारत।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची में विदेशी नागरिकों के नाम नहीं होने चाहिए। मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टियों, स्थानांतरित और मृत मतदाताओं के नामों का सुधार जरूरी है। भोपाल स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस चुनाव हारने के बाद ईवीएम, चुनाव आयोग और एसआईआर पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने 13 करोड़ नाम काटे जाने के दावे को गलत बताते हुए कहा कि इनमें करीब 3 करोड़ बच्चों, 6 करोड़ 3 लाख स्थानांतरित मतदाताओं और 2 करोड़ 80 लाख मृत व्यक्तियों के नाम शामिल थे।

उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दलों के बूथ प्रतिनिधि शामिल रहते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाना उचित नहीं है। भाजपा इसके विरोध में पदयात्राएं निकाल रही है, जिनमें समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी हो रही है। उन्होंने मीडिया से इन मुद्दों को जनता तक पहुंचाने की अपील भी की।

दीवाली पर सफाई कर्मियों की हड़ताल से भोपाल में कचरे का अंबार, त्योहारी चमक फीकी

भोपाल, यशभारत।

रोशनी और उत्साह के महापर्व दीवाली से ठीक पहले मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सफाई कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से शहर के प्रमुख बाजारों, चौराहों और गली-मोहल्लों में कचरे के अंबार लग गए हैं। एक तरफ जहां लोग घरों को सजाने और त्योहार की खरीदारी में जुटे हैं, वहीं सड़कों पर फैला कचरा और बदबू प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल रही है।

400 से ज्यादा गाड़ियां खड़ी, प्रमुख इलाके प्रभावित

हड़ताल के दूसरे दिन भी हालात जस के तस बने हुए हैं। भोपाल में कचरा कलेक्शन करने वाली 400 से अधिक गाड़ियां गार्बेज स्टेशनों पर खड़ी हैं। शहर के व्यस्त इलाकों जैसे लिंक रोड नंबर-1 (पेट्रोल पंप के सामने), 5 नंबर स्टॉप, 7 नंबर स्थित एमपी नगर एसडीएम ऑफिस के सामने, शिवाजी नगर और तुलसी



नगर में डस्टबिन ओवरफ्लो होकर कचरा सड़कों पर फैल गया है। इसके अलावा ईदगाहिल्स स्थित वाजपेयी नगर मल्टी के झंडा चौक पर भी कचरे के ढेर से स्थानीय रहवासियों का जीना मुहाल हो गया है।

मजबूरी में कचरा जलाने को मजबूर लोग-दो दिनों से घरों और बाजारों से कचरा न उठने के कारण आम नागरिकों और व्यापारियों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। लोग इस सड़ते कचरे से निजात पाने के लिए इसे जलाने को मजबूर हैं। चूना भट्टी समेत शहर के कई बाजारों में कचरे के ढेरों में आग लगाई जा रही है, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही गंभीर दुर्घटनाओं का खतरा भी पैदा हो गया है।

व्यापारियों ने संभाला मोर्चा, वार्ता रही बेनतीजा

त्योहार के समय बाजारों की इस दुर्दशा को देखते हुए न्यू मार्केट समेत कई प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने खुद आगे आकर वॉलिंटियर्स की मदद से साफ-सफाई कराई है। साथ ही, उन्होंने सफाईकर्मियों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से जल्द ठोस कदम उठाने की अपील की है। दूसरी ओर, कर्मचारियों की चार सूत्रीय मांगें जिनमें बढ़ा हुआ वेतन, सरकारी कर्मचारी का दर्जा, अनुकंपा नियुक्ति और 25 हजार रुपए न्यूनतम वेतन तय करना शामिल है को लेकर यूनियन और नगरीय प्रशासन विभाग के एसीएस संजय दुबे के बीच हुई बैठक बेनतीजा रही है। कर्मचारियों के अड़ियल रुख को देखते हुए आने वाले दिनों में शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर बड़ा संकट मंडराता नजर आ रहा है।

भोपाल में हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद: सिंधी कॉलोनी के पास से दो तस्कर गिरफ्तार, 4 पिस्टल और कट्टा जब्त

भोपाल, यशभारत।

राजधानी में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियानों के तहत थाना हनुमानगंज पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास से दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 पिस्टल, एक देशी कट्टा, 5 मैगजीन और 7 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अब इनके अन्य संपर्कों और हथियारों के स्रोतों की गहराई से छानबीन कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से पिस्टल लिए किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस



टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे संदिग्ध को बलपूर्वक दबोच लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 2 पिस्टल, 2 मैगजीन और 2 जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम फरहान मोहम्मद पिता मुसीर मोहम्मद खान, उम्र 32 वर्ष, निवासी- मकान नंबर 03, गली नंबर 01, टोल वाली मस्जिद के पीछे, तलैया, भोपालबताया।

गिरफ्तार आरोपी फरहान से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने अपने साथी *अतीक उर्फ बबलू के साथ मिलकर अवैध हथियारों की तस्करी करने का खुलासा किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए फरहान की निशानदेही पर दूसरे आरोपी अतीक उर्फ बबलू पिता लतीक, उम्र 49 वर्ष, निवासी- मकान नंबर 09, गली नंबर 01, सरकारी स्कूल के पास, ऐशबाग, भोपाल को भी हिरासत में ले लिया। उसकी तलाशी में 2 पिस्टल, एक देशी कट्टा, 3 मैगजीन और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)